पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 155 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

08 दिसंबर 2025 सोमवार

आज का मौसम

25.6 अधिकतम

7.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

डिवाइडर से टकराई कार, 2 लड़कियों सहित 5 की मौत

लुधियाना, एजेंसी। लाडोवाल के पास देर रात एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में कार में सवार दो नाबालिग लड़कियों सहित पांच की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि सभी लोग जगरांव एरिया के थे। सूचना मिलने के बाद थाना लडोवाल की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने देर रात को पांचों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के अनुसार कार में तीन लड़के और दो नाबालिग लड़कियां थी।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नालंदा, एजेंसी। जिले में स्थित राजगीर आयुध निर्माणी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित इस अत्यंत संवेदनशील रक्षा प्रतिष्ठान को ईमेल के माध्यम से धमकी दी गई है, जिसमें फैक्टरी और कार्यालय परिसर में सात शक्तिशाली बम रखे जाने और विस्फोट की चेतावनी दी गई है। यह धमकी भरा ईमेल तमिलनाडु से भेजा गया है, जिसे लेकर केंद्रीय और राज्य स्तर की सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गई हैं। फैक्ट्री परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

यौन उत्पीड़न: मलयालम एक्टर दिलीप को राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। 2017 के रेप केस में मलयालम एक्टर दिलीप को अदालत से बड़ी राहत मिली है। केरल की कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए उन्हें बरी करने का आदेश दिया है। अभिनेत्री से दुष्कर्म केस में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। मगर, केरल कोर्ट ने दिलीप को मामले में बरी कर दिया है।केरल के कोच्चि स्थित कोर्ट में सेशन जज हनी एम. वर्गीस ने मामले पर सुनवाई की। यह मामला 8 साल से अदालत में लंबित है। एक्ट्रेस के रेप केस में दिलीप आठवें आरोपी थे।

भ्रष्टाचार में तमिलनाडु के मंत्री पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के नगर प्रशासन और जल आपूर्ति मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए राज्य सरकार को एक नया दस्तावेज भेजा है। ईडी सूत्रों के अनुसार, मंत्री पर 1,020 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप हैं। ये आरोप टेंडर में हेरफेर से जुड़ा हुआ है। जांच एजेंसी ने राज्य सरकार से इस मामले में नई स्त्रढ्ढक्रदर्ज करने की मांग की है। मंत्री के विभाग में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। टेंडर्स खुलने से पहले ही सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स में हेराफेरी की गई। टॉयलेट बनाने और काम की आउटसोर्सिंग सहित कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स के लिए पहले से तय कॉन्ट्रैक्टर्स को 7।5% से 10% रिश्वत लेकर दिए गए। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि भुगतान नकद और हवाला लेनदेन के जरिये किए गए।

अंदर खास

रिटायर्ड आईएएस अफसर योगेंद्र शर्मा की कलम से 'ऑपरेशन फेथ' की कहानी- अपने ही कदमों से डर रही थीं भोपाल की सड़कें... पेज -4

आज का कार्टून

7वें दिन भी संकट बरकरार, सुप्रीम कोर्ट में तत्काल सुनवाई नहीं

सर्वोच्च अदालत ने कहा - हम एयरलाइन नहीं चला सकते

- आज भी 200 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल, एयरपोर्ट की एडवाइजरी
- अभी एक सप्ताह तक हालात पूरी तरह सामान्य होने के आसार नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ान सेवाएं आज भी पटरी पर नहीं लौट सकीं हैं। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद एयरपोर्ट से अब तक 200 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले भी एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी थीं। हालांकि कंपनी कल दावा किया था कि उसकी 95 फीसदी उड़ाने सामान्य हो गई हैं जो कि गलत साबित हुआ। अब दावा किया जा रहा है कि 10 से 15 दिसंबर तक हालात सामान्य होंगे।

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने टिपण्णी की - हम एयरलाइन तो चला नहीं सकते। कोर्ट ने कहा कि भारत सरकार ने इस मामले का पहले से ही संज्ञान ले लिया है और समय पर उचित कार्रवाई भी की जा रही है। इसलिए कोर्ट इस पर अलग से हस्तक्षेप करने की जरूरत

नहीं समझता। मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी। उधर, हालात को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट ने आज सुबह साढ़े छह बजे यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की और एडवाइजरी में बताया कि उड़ानों में देरी हो सकती है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने कहा कि घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक जरूर करें ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े। दिल्ली एयरपोर्ट पर आज इंडिगो की 134 उड़ानें रद्द हुई है, जिनमें से 75 प्रस्थान और 59 आगमन वाली उड़ानें हैं।

पायलट का खुलासा...संकट पूरी तरह इंजीनियर्ड था

इस संकट पर अंदर की खबर चौंकाने वाली हैं। इंडिगो के एक वरिष्ठ पायलट ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए नाम न छापने की शर्त पर बताया कि 'कमी सिर्फ 124 पायलटों की थी। हमारे पास 4,551 पायलट हैं, 2।7 प्रतिशत डेफिसिट से रोजाना के 2,200 फ्लाइट्स में से सिर्फ 5-7 प्रतिशत प्रभावित होनी थीं। लेकिन जानबूझकर स्त्रढ्ढतोड़े गए, स्टैंडबाय रोस्टर खाली रखे गए, आखिरी मिनट में कॉल दिए गए, ताकि पूरा सिस्टम कॉलैप्स हो जाए और सरकार नए सुरक्षा नियम वापस ले ले।'आसान भाषा में कहें तो ये संकट प्राकृतिक नहीं, पूरी तरह इंजीनियर्ड था। सिर्फ प्रॉफिट बचाने के लिए, इस संकट को लाया गया।

आज आएगा नोटिस का जवाब

इंडिगो एयरलाइन ने डीजीसीए के नोटिस का जवाब देने के लिए और समय देने की मांग की है। डीजीसीए ने शनिवार 6 दिसंबर को इंडिगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें मौजूदा संकट पर जवाब मांगा गया था। डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ और अकाउंटेबल मैनेजर पोर्केरास को जारी नोटिस में कहा कि बड़े पैमाने पर परिचालन योजना बनाने की असफलता और संसाधन प्रबंधन की चूक दिखाई देती है। नोटिस में कहा गया कि इंडिगो में जारी संकट का मुख्य कारण नए एफडीटीएल नियमों को लागू करने के लिए सही इंतजाम न करना है, ऐसे में एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। इंडिगो के आग्रह पर उसे जवाब देने के लिए आज शाम तक का समय दे दिया गया है।

इंडिगो पर मेहरबानी छोड़िये सरकार... यात्रियों की सुध लीजिए

आज एक हफ्ता पूरा हुआ जब हवाई यात्रा करने वाले लाखों लोग एयरलाइन कंपनियों के बंधक बने हुए हैं। इंडिगो है कि सरकारी नियम नहीं मानकर पांच हजार उड़ानें रद्द कर चुकी है और एयर इंडिया आपदा में अवसर देखकर यात्रियों की जेब पर डाका डालने में लगी है। देश मानो एक तरह की 'एयर ट्रैवल इमरजेंसी' के दौर से गुजर रहा है। और यात्री इन कंपनियों के बंधक बन गए हैं। उन्हें जिनसे राहत की दरकार है वे, नोटिस देकर जवाब मांगने की औपचारिकता में लगे हैं। अब तक जो मीडिया में रिपोर्ट हो रहा है उसके अनुसार डीजीसीए ने यात्री सुरक्षा को लेकर पायलट्स और क्रू की सेवा शर्तों के नियम लागू किये जिनका इंडिगो ने पालन नहीं किया। फिर सख्त नियमों का हवाला देकर पायलट और क्रू की कमी बताई। इसी से अब तक का सबसे बड़ा एयर ट्रैवल संकट खड़ा हो गया। नियम दो साल पहले बने थे जिनका चरणबद्ध ढंग से पालन होना था। समय बीतता गया, जरूरी कदम नहीं उठाए गए और फ्लाइट्स के पहिये जाम हो गए। चीख -चीख कर ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि दो साल तक नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी किसकी थी। जाहिर तौर पर कहा जाता है कि डायरेक्टर जनरल और सिविल एविएशन (डीजीसीए) की। लेकिन क्या देश के हवाई यात्रा मार्केट में 64 फीसदी की हिस्सेदारी पर कब्जा करके बैठी इस कंपनी पर कड़ी कार्रवाई करने का माद्दा इस संस्था में है? या फिर क्या वह ऐसा करना भी चाहती है ? यहां बताने की जरूरत नहीं कि डीजीसीए हमेशा भ्रष्टाचार के मामलों में घिरी रही है, फिर इससे सख्त एक्शन की उम्मीद बेमानी है। और फिर, बड़ा सवाल यह भी कि क्या सब कुछ डीजीसीए और कंपनियों के बीच ही तय होना है। तो फिर इस नागरिक उड्डयन नाम के मंत्रालय की जरूरत क्या है। क्या इसके दो- दो मंत्री और भारी भरकम अमला सिर्फ मोटी सैलरी, सुविधाएं ओर जनता के पैसे से मलाई खाने के लिए ही है। आरोप तो यह लग रहा है कि जनता को बंधक बनाकर हलाकान करने और उसकी जेब पर डाका डालने का यह गोरखधंधा सबकी मिली भगत से चल रहा है । इसे नकारा भी नहीं जा सकता। वरना क्या कारण है कि एयरलाइंस के लिए बनाए गए नियम कूड़े में दाल दिए गए और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठे रही। नियम भी ऐसे जो हवाई यात्रा में पायलटों और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े हैं। माना जा रहा है कि इंडिगो को पता था अगर उसकी उड़ाने ठप होंगी तो हाहाकार मचेगा ओर फिर सरकार झुक जाएगी। हुआ भी ऐसा ही। नियमों के पालन के लिए फरवरी 26 तक की छूट दे दी गई। मानो सरकार खुद भी ऐसा करने को तैयार ही बैठी थी। इस सिलसिले में पायलट एसोसिएशन की तरफ आया बयान इस मिलीभगत की ओर ही इशारा करता है। इसमें कहा गया है कि यह संकट जान बूझकर खड़ा किया गया है ताकि पायलटों और क्रू की सेवा शर्तों में सुधार के लिए मोटी रकम नहीं खर्च करनी पड़े। इंडिगो को पता था कि यात्रियों पर संकट के नाम पर सरकार तो ब्लैकमेल होने को तैयार बैठी ही है। यात्री सुविधा के नाम पर झुकने का खेल होगा, जो हुआ। ऐसे, जैसे कि पूरी स्क्रिप्ट पहले से ही तैयार कर ली गई हो। वरना क्या वजह है कि इतने भारी संकट के बावजूद सिर्फ नोटिस देकर जवाब मांगने का खेल किया जा रहा है? क्यों ऐसा भारी जुर्माना नहीं लगाया जाता जो नजीर बन जाए। क्यों नहीं मूक दर्शक बने रहे डीजीसीए और विभाग के मंत्रियों पर एक्शन होता। जहां तक बात नागरिक उड्डयन मंत्री की है तो वह तेलुगु देशम पार्टी के कोटे से आते हैं जो एनडीए सरकार का एक बड़ा घटक है। सरकार के बने रहने में उसकी अहम् भूमिका है। और... इंडिगो पर कड़ी कार्रवाई की मांग करने वाले लोग जरा उसके बोर्ड पर भी नजर डालें। वहां पूर्व इंडियन एयर फोर्स चीफ और योजना आयोग के पूर्व अध्यक्ष सहित कई रसूखदार लोग हैं। वरना क्या ऐसे ही यह कंपनी देश के एविएशन मार्केट की सरताज है? इस सबके बीच यात्री तो बंधक रहेंगे ही। सुरक्षा का क्या है, वह तो ताक पर रहती आई है और रहेगी।

आग से 25 लोगों की मौत का मामला

गोवा नाइट क्लब 'रोमियो लेन' का मैनेजर दिल्ली से गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी

गोवा स्थित रोमियो लेन नाइट क्लब के मैनेजर भारत को गोवा पुलिस ने उत्तरी जिला के सब्जी मंडी इलाके से गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइंस इलाके में भी इसका रोमियो लेन नाम से रेस्तरां है। पुलिस के अनुसार, मालिक सौरभ लूथरा अभी नहीं पकड़ा गया है। वह घटना के बाद से फरार है। घटना के बाद भारत गोवा से भागकर दिल्ली अपने घर पर आ गया था। गोवा पुलिस की सूचना पर गोवा पुलिस ने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर रात भरत को अरेस्ट कर लिया। उत्तर गोवा के अर्पोरा स्थित नाइटक्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' में शनिवार देर रात आग लग गई थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर क्लब के कर्मचारी थे। अंजुना पुलिस ने क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक (49 वर्षीय, निवासी आर.के. पुरम, नई दिल्ली), महाप्रबंधक विवेक सिंह (27 वर्षीय, निवासी जौनपुर, उत्तर प्रदेश), बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया (32 वर्षीय, निवासी गोरखपुर, उत्तर प्रदेश) और गेट प्रबंधक प्रियांशु ठाकुर (32 वर्षीय, निवासी मालवीय नगर, नई दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। चारों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। गोवा के अरपोरा स्थित 'बिर्च बॉय रोमियो लेन' नाइट क्लब में भयंकर अग्निकांड ने सभी को झकझोर कर रख दिया है।

वंदे मातरम् पर चर्चा... पीएम मोदी बोले कांग्रेस ने देशभक्तों को जेल में डाला

नईदिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे हो गए हैं। संसद में आज इस पर चर्चा हो रही है। चर्चा की शुरुआत लोकसभा में हुई। पीएम मोदी ने वंदे मातरम पर लोकसभा में अपना संबोधन दिया। इसके बाद 9 दिसंबर को राज्यसभा में चर्चा होगी। पीएम मोदी ने कहा, 'वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष हुए, तब देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। जब वंदे मातरम् के 100 वर्ष हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, और जब वंदे मातरम् का अत्यंत उत्तम पर्व होना चाहिए था, तब कांग्रेस ने भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। जब वंदे मातरम् के 100 वर्ष हुए, तब देशभक्ति के लिए जीने-मरने वाले लोगों को जेल की सलाखों के पीछे बंद कर दिया गया था। जिस वंदे मातरम् के गीत ने देश को आजादी की ऊर्जा दी थी, उसके 100 वर्ष पूरे होने पर

हमारे इतिहास का एक काला कालखंड दुर्भाग्य से उजागर हो गया।' मोदी ने कहा, 'जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश के आज़ादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं।'

ट्रंप का सीजफायर खत्म, थाईलैंड का कंबोडिया पर हमला

बैंकॉक, एजेंसी। दक्षिण एशियाई देश थाईलैंड और कंबोडिया एक बार फिर आमने-सामने हैं। ट्रंप के दोनों देशों के बीच मध्यस्थता में हुए सीजफायर के बावजूद आज थाई सेना ने कंबोडिया पर हमला किया। थाई सेना के प्रवक्ता मेजर विंथाई सुवारी ने कहा कि सोमवार को थाईलैंड ने अपने पड़ोसी कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक की। दोनों पक्ष अपने विवादित बॉर्डर पर हुई लड़ाई के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जिसमें एक थाई सैनिक की मौत हो गई थी। आज सुबह उबोन रात्चाथानी प्रांत में कंबोडियाई सैनिकों पर फायरिंग के बाद सुवारी ने एक बयान में कहा, 'सेना को रिपोर्ट मिली कि थाई सैनिकों पर सपोर्टिंग फायर वेपन से हमला किया गया, जिससे एक सैनिक मारा गया और चार घायल हो गए। जिसके बाद जवाबी कार्रवाई शुरू हुई। कई इलाकों में मिलिट्री टारगेट पर एयरक्राफ्ट से हमला करना शुरू कर दिया है।' कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा कि थाई सेनाओं ने सोमवार सुबह प्रीह विहियर और ओडर मींची के बॉर्डर वाले प्रांतों में कंबोडियाई सैनिकों पर हमला किया।

हुमायूं नहीं ममता ने रखवाई बाबरी की नींव : भाजपा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सवाल उठाए हैं। भाजपा के आरोप हैं कि सीएम बनर्जी अपने नेताओं और सांसदों से ही इसके खिलाफ बयान दिला रही हैं। तृणमूल कांग्रेस ने विधायक हुमायूं कबीर को निलंबित कर दिया है। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में मस्जिद की नींव रखी थी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'हुमायूं कबीर ने इसे नहीं रखा; ममता बनर्जी ने रखा, और वह ड्रामा कर रही हैं और अपने नेताओं और सांसदों से इसके खिलाफ बयान दिलवा रही हैं...।' उन्होंने कहा, 'ममता बनर्जी बंगाल की धरती को हिंदू मुसलमान में बांटने के लिए ये बाबरी मस्जिद हिडन एजेंडा के रूप में हुमायूं कबीर के द्वारा इन्होंने लाया है। इसका विरोध पूरे देश में जिस ढंग से अब दूसरी जगह हो रहा है। यह नींव डाली गई है सोची समझी रणनीति के तहत और इसका केवल बंगाल में ही नहीं है। ममता बनर्जी को इसकी सजा भुगतनी पड़ेगी।'

साल दर साल लुप्त होती गई संवेदना... सुप्त हो गई चेतना

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

पार्ट -6

विश्व के सबसे बड़े औद्योगिक हादसे यानि भोपाल गैस त्रासदी के जख्म भले ही आज 41 साल बाद भी हरे हों , लेकिन समाज, सरकार और अदालतों की संवेदना जैसे लुप्त हो गई है। चेतना सुप्तावस्था को प्राप्त हो गई है। न किसी में इसको लेकर पश्चाताप के भाव हैं और न ग्लानि की भंगिमा दिखती है। त्रासदी की 41 वीं बरसी पर ऐसा ही कुछ दिखाई दिया। गैस हादसे की पहली बरसी से शुरू हुई भोपाल में स्थानीय अवकाश घोषित करने की परंपरा तो इस बार भी निभाई गई। सर्वधर्म प्रार्थना

सभा भी हुई लेकिन इसमें प्रदेश के पहले नागरिक यानि राज्यपाल और सूबे के मुख्यमंत्री नहीं थे। यही नहीं उन्होंने यूनियन काबाईड कारखाने के पास बने स्मारक पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने की जहमत भी नहीं उठाई। सरकार गैस हादसे के मृतकों की याद में अखबारों के पन्ने पर जो स्याह विज्ञापन जारी होता था, वह भी प्रकाशित नहीं हुआ। मप्र सरकार की ओर से प्रदेश के एक काबीना मंत्री विजय शाह और शहर की महापौर मालती राय ही सर्वधर्म सभा में पहुंचीं । कुल मिलाकर इस दर्दनाक और मर्मांतक गैस हादसे को लगभग भुला दिया गया है। यह इस बात को दिखाता है कि हमारा समाज , हमारी सरकार और हमारी अदालतें इस हादसे को लेकर कितनी संवेदनशील हैं। किसी को यह सोचने की फुरसत नहीं है कि जिस कारखाने से गैर का रिसाव हुआ उसका क्या किया जाए? उस जमीन पर आज भी बिखरे घातक मलबे का क्या हो। गैस पीड़ितों के लिए मुआवजा राशि के कोर्पस फंड से संचालित भोपाल मेमोरियल हास्पिटल और रिसर्च सेंटर की दिनों दिन बिगड़ती सेहत को किस तरह सुधारा जाए। गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग जो सरकार ने इस हादसे के बाद गठित किया था उसका क्या किया जाए? वह अब ऐसा क्या नया करे जिससे इस हादसे को लोग हमेशा याद रख सकें। सरकार ने कभी नहीं सोचा कि यूका की जमीन के एक हिस्से में कोई ऐसा स्मारक सेंटर बनाया जाए जिसमें गैस हादसे की वजह की तफसील को दर्शाया जाए। गैस के शिकार लोगों की तस्वीरें हों जो पूरी विभीषिका का चित्रण करती हों। उन तमाम सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के लोगों के चित्र भी लगाए जाएं जो मरते दम तक गैस पीड़ितों के हक और हुकूक की लड़ाई लड़ते रहे। फिर चाहे वह अब्दुल जब्बार हों, बालकृष्ण गुप्ता हों या फिर आलोक प्रताप सिंह । स्वयं सेवी संगठनों के लोगों में से अभी भी बालकृष्ण नामदेव सरीखे जो लोग इस दुनिया में रह गए हैं, उन्हें भी कभी सम्मानित करने की जहमत उठाई जाए। लेकिन, इसके लिए जिस चेतना, विवेक और संवेदना की जरूरत है , वही लुप्त और सुप्त हो जाए तो फिर कुछ भी नहीं कहा जा सकता। (समाप्त)

ठिठुरने लगा शहर, अलाव का सहारा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बर्फीली हवाओं की वजह से प्रदेश ठिठुरने लगा है। रविवार-सोमवार की रात प्रदेश के ज्यादातर शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। राजधानी भोपाल में पिछले 3 दिन से शीतलहर चल रही है। सुबह से ही लोग ठंड से बचने के जतन करते नजर आए। यहां न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से पहाड़ी राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी-बारिश हुई है। यहां से सर्द हवाएं एमपी में आ रही हैं। पिछले 3 दिन से सर्द हवाएं चल रही हैं। भोपाल में शीतलहर का सबसे ज्यादा असर है। उत्तर से हवाएं सीधे यहां आ रही हैं इसलिए अन्य जिलों की तुलना में यहां सर्दी ज्यादा है। दिन-रात दोनों ही ठंडे हैं।

फ्लाइट कैंसिलेशन से बढ़ी परेशानी, टिकट के लिए मारामारी

वंदे भारत और शताब्दी एक्सप्रेस में 'नो रुम'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल से दिल्ली, मुंबई, गोवा और अन्य गंतव्यों के लिए फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी ने यात्रियों को परेशान कर दिया है। दिल्ली एयरपोर्ट ने पैसेंजर एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि ऑपरेशनल दिक्कतों की वजह से कुछ डोमेस्टिक फ्लाइट्स में देरी और कैंसिलेशन हो रहे हैं। इसके बाद यात्रियों ने वैकल्पिक रूप से रेलवे सेवाओं का सहारा लेना शुरू कर दिया है। हालांकि रेलवे सेवाओं पर आम तौर पर कोई असर नहीं पड़ता, लेकिन अब वंदे भारत, शताब्दी और अन्य प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों में सीटें तेजी से भरी हुई हैं।

यात्रियों को मुश्किल से मिल रही टिकट- ट्रेन रिजर्वेशन में भारी दबाव के कारण यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है, जबकि पहले यह सुविधा आसानी से उपलब्ध रहती थी। ट्रेन रिजर्वेशन में भारी दबाव के कारण यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है, जबकि पहले यह सुविधा आसानी से उपलब्ध रहती थी। इस बदलाव से रेलवे प्रशासन पर अतिरिक्त चुनौती बढ़ गई है

फाइल फोटो

और यात्रियों को भी अपने यात्रा प्लान में संशोधन करना पड़ रहा है। इसके चलते भोपाल की एक युवती ने अपने रोके को आगे बढ़ा लिया तो वहीं किसी नए जोड़े ने ऑनलाइन जुड़कर अपना रिसेप्शन किया। फ्लाइट्स रद्द होने का सीधा असर रेलवे पर दिख रहा है। दिल्ली, गोवा समेत कई रूटों पर उड़ानें रद्द होने के बाद यात्री बड़ी संख्या में ट्रेनें पकड़ रहे हैं। यही वजह है कि वंदे भारत, शताब्दी और अन्य प्रमुख ट्रेनों में सीटें मिनटों में फुल हो रही हैं। पहले आसानी से मिलने वाला तत्काल टिकट अब तुरंत भर रहा है। अनरिजर्व कोचों में स्थिति सामान्य है, लेकिन रिजर्वेशन पर अचानक बढ़ा दबाव यात्रियों और रेलवे दोनों के लिए चुनौती बन गया है।

गोवा की फ्लाइट रद्द होने से यात्री परेशान

एक यात्री ने बताया कि हमारी भोपाल से गोवा के लिए 3.30 बजे की फ्लाइट थी, जिसमें गोवा में दो घंटे का हॉल्ट था और उसके बाद ऊटी के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट थी। मैंने एक दिन पहले भी चेक किया था कि कोई बदलाव हुआ है या नहीं, लेकिन अचानक फ्लाइट कैंसिल हो गई। एयरलाइन से पूछने पर भी सही जानकारी नहीं मिल रही है और अभी तक रिफंड के बारे में कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। यदि हमारा रिफंड जल्दी मिल जाए तो हम कार से जाने को तैयार हैं। एक सप्ताह की इस ट्रिप में हमारा डेढ़ लाख रुपये लग चुका है। ट्रेन में भी सभी सीटें भरी हुई हैं, जिससे यात्रा करना मुश्किल लग रहा है। दरअसल, फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन संबंधी नए नियमों के कारण इंडिगो एयरलाइंस कथित तौर पर क्रू मैंबर की कमी के संकट से जूझ रही है. इस वजह से इस एयरलाइंस की सैकड़ों घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुईं हैं। इस वजह से देश में अनेक एयरपोर्ट पर हजारों की संख्या में यात्री परेशान होते हुए देखे जा रहे हैं।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत नगर के नुक्कड़ वाली माता मंदिर में प्रति शनिवार और मंगलवार को सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हो रहे हैं। यह पाठ सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें विद्वान आचार्य लेखराज शर्मा के सान्निध्य में विधि-विधान से हनुमान चालीसा का पाठ और आरती की जाती है। श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि जो भी श्रद्धा सुमन के साथ हनुमान महाराज जी की पूजा अर्चना करता है, वे उनके जीवन के समस्त कष्टों का निवारण करते हैं। इस अवसर पर भाजपा विधायक प्रतिनिधि राम बंसल, गांधीनगर मंडल महामंत्री राधे माहराज, संकल सरपंच अशोक भगवानिया, हिंदू फैंस क्लब के हीरो हिंदू, विहिप जिला अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह गुर्जर, बजरंग दल के जिला संयोजक रघु रायकवार, सह संयोजक दया मेहर, बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहकार रूप कुमार सोनी, और अन्य गणमान्य नागरिक तथा सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

बजरंग सेना समिति ने किया श्रीराम नाम पुस्तक का विमोचन

हिरदाराम नगर. बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि 7 दिसंबर 2025 (रविवार) को प्रातः 10ः30 बजे गुरुकृपा एसोसिएट्स में श्री राम नाम लेखन पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हनुमान चालीसा पाठ और आरती के साथ हुआ, जिसके उपरांत हथप्रसादी (भोग) का वितरण किया गया।

19 दिसंबर तक श्री राम नाम लेखन पुस्तक का वितरण किया जाएगा, जो भी श्रद्धालु श्री राम नाम लेखन पुस्तक में राम नाम लिखकर 21 दिसंबर तक जमा करेंगे, उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। पुस्तक प्राप्त करने के लिए अध्यक्ष कमलेश देवानी (7470822287), गुरदास रामचंदानी (7000196687), या पंडित राज कुमार गर्ग (9893134754) से संपर्क किया जा सकता है। पुस्तक का विमोचन बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहकार रूप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, अर्चक पुरोहित पंडित राज कुमार गर्ग, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, महासचिव गुरदास रामचंदानी सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

गोविंद ने पूरी की मैराथन दौड़

हिरदाराम नगर. राजधानी में आयोजित रन भोपाल रन मैराथन में संतनगर निवासी गोविंद लालवानी (उम्र 59 वर्ष) ने शानदार प्रदर्शन किया। गोविंद लालवानी ने 2 घंटे, 16 मिनट और 40 सेकंड में पूरी मैराथन पूरी की। लालवानी को युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत माना जाता है। लालवानी का मानना है कि सबसे बड़ा धन स्वास्थ्य धन है और अगर व्यक्ति स्वस्थ है, तभी वह परिवार, समाज और देश की सेवा कर सकता है। बता दे बीते वर्ष सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ में उन्होंने और उनकी पत्नी लता लालवानी दोनों ने भाग लिया था, जहां उन्हें विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा शील्ड प्रदान की गई थी।

गौहर महल में सजी शिल्प और परंपरा की रंगीन दुनिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौहर महल में पांच दिन चलने वाले इस हस्तशिल्प सप्ताह की शुरुआत होते ही कारीगरों की ऊर्जा और उनके हुनर ने वहां पहुंचने वाले हर व्यक्ति का ध्यान खींच लिया। मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों से 50 से ज्यादा कारीगर अपनी रचनाओं को लेकर आए हुए है। पूरा परिसर रंग, शिल्प व रचनात्मकता से जीवंत हो गया हो। विशाल दरबार हॉल और गलियारों में सजे स्टॉल एक-एक कर प्रदेश की अनोखी कला परंपरा की कहानी कह रहे थे। गोंड पेंटिंग का चमकता अहसास, लकड़ी के खिलौनों की पारंपरिक खुशबू, बैतूल और टीकमगढ़ की बेल मेटल कला की दमक और भोपाल की जरी जरदोजी की बारीकियों की कलाकारी लोगों का मन मोह रही है। प्रदर्शनी में आने वाले लोग लौटते हुए किसी स्टॉल से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का एक नमूना जरूर लेकर जाते हुए दिखे। कारीगरों ने बताया कि डिजाइन ग्वालियर घराने की संगीत परंपरा से प्रेरित है। हर मूर्ति की मुद्रा और भाव इतना सटीक है कि मानो वे अभी किसी राग की शुरुआत करने वाले हों।स्टार्टअप कोलार डायनेमिक्स का स्टॉल सबसे ज्यादा भीड़ खींचता हुआ दिखा। यहां रखे ब्रास म्यूजिशियन सेट ने सचमुच सबको ठहरने और देखने पर मजबूर कर दिया। करीब 20 इंच चौड़े इस सेट में चार कलाकारों की पीतल से बनी बेहद आकर्षक मूर्तियां रखी गई हैं। जिसमें दो पुरुष और दो महिला संगीतकारों की आकृतियां शहनाई और तबले की सुरलहरियों जैसी लय में गढ़ती हुई दिख रही हैं।

भारत भवन के बहिरंग मुक्ताकाश मंच पर संगीत का अद्भुत संगम

बांसुरी वादक की राग भीमपलासी के शांत व भावपूर्ण सुरों ने माहौल को सुरमयी बनाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तीन दिवसीय आठवां हृदय दृश्यम संगीत समारोह सुर, ताल और ऊर्जा की त्रिवेणी बनकर समापन की ओर बढ़ा। झील किनारे बहती ठंडी हवा और खुले आसमान के नीचे हुए कार्यक्रम ने श्रोताओं को दुर्लभ अनुभूति कराई। भारत भवन के बहिरंग मुक्ताकाश मंच पर संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला। समारोह की शुरुआत सुविख्यात बांसुरी वादक पंडित राकेश चौरसिया की मधुर प्रस्तुति से हुई। उनकी बांसुरी से निकले राग भीमपलासी के शांत और भावपूर्ण सुरों ने माहौल को सुरमय बना दिया। इसके बाद जब ब्रह्म फ्यूजन बैंड ने मंच संभाला, उनकी ऊर्जामयी शैली और आधुनिक संगीत के नवाचारों ने पूरा वातावरण झंकृत कर दिया। रविवार की शाम कलाकारों ने भारतीय संगीत की आत्मा और वर्ल्ड म्यूजिक की लय को जिस प्रभाव के साथ पिरोया, उसने श्रोताओं में उत्साह की लहर पैदा कर दी। शाम की अंतिम प्रस्तुति ग्रैमी अवार्ड विजेता वी सेल्वगणेश के पंचाक्षरा समूह की रही। कंजीरा, घटम, कोनक्कल और मोरसिंग के संगम ने ताल वाद्य की अद्भुत दुनिया से परिचित कराया।

शिव तांडव से आरंभ हुई प्रस्तुति में सेवन एंड ए हाफ जैसी विशेष कंपोजिशन ने दर्शकों को रोमांचित किया। मध्य लय रूपक की गत और द्रुत तीन ताल की प्रस्तुति के बाद राग पहाड़ी में बजाई गई धुन ने श्रोताओं को मानो किसी अलौकिक लोक में पहुंचा दिया हो। इनके साथ तबले पर रामेंद्र सिंह सोलंकी ने प्रभावी संगत दी।

मेट्रो एंकर

हिरदाराम नगर में राशि को लेकर बढ़ते विवाद पर पंचायत कार्यालय में हुई बैठक

'नेग' विवाद पर पंचायत का फैसला, नए किन्नरों की एंट्री बैन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नगर में किन्नरों द्वारा ली जाने वाली नेग राशि को लेकर बढ़ते विवाद और अभद्रता की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, रविवार को पंचायत कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों किन्नर गुटों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद पंचायत ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त निर्णय लिए। बैठक के दौरान यह सामने आया कि हाल ही में संत नगर में सक्रिय हुए नए किन्नरों द्वारा लोगों से मनमाने और तय राशि से अधिक पैसे लिए जा रहे थे। कई लोगों ने मोबाइल के स्पीकर ऑन करके अभद्रता के प्रमाण भी प्रस्तुत किए। हिंदू संगठन से जुड़े त्रिलोक खियानी से हुई घटना पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि आरा मशीन रोड पर नेग राशि को लेकर बहस के दौरान नए किन्नरों ने समाज के लोगों के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया, इसके बाद पुलिस बुलाने तक की नौबत आ गई थी।

विधायक प्रतिनिधि की सख्त फटकार : व्यापारियों और नागरिकों के साथ लगातार हो रही अभद्रता और मनमानी पर विधायक प्रतिनिधि राम बंसल ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने किन्नरों को संत नगर में भय का वातावरण पैदा करने के लिए कड़ी फटकार लगाई और दोबारा ऐसी स्थिति न बनने की कड़ी चेतावनी दी। बैठक में पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारियों, शहर के गणमान्य नागरिकों, स्थानीय व्यापारियों, भाजपा पदाधिकारियों और विधायक प्रतिनिधि राम बंसल सहित नंद दादलानी, भरत आसवानी, नरेश कुमार तोलानी, पार्षद अशोक मारन, माधू चांदवानी (अध्यक्ष), कन्हैया इसरानी, वासदेव वाधवानी, मोहन लालवानी, बिट्टू, कमल वीधनी, मनीष बागवानी और गुलाब जेठानी जैसे प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

पंचायत के महत्वपूर्ण निर्णय

संत नगर क्षेत्र (हलालपुर पुलिया से भैसा खेड़ी तक) में केवल पुराने और परंपरागत रूप से नेग लेने वाले किन्नर ही राशि ले सकेंगे। स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों की सुरक्षा को देखते हुए, नए किन्नरों की एंट्री इस पूरे क्षेत्र में पूरी तरह से बंद रहेगी। पटरी के दूसरी तरफ रहने वाले लोग अपने-अपने स्तर पर किन्नरों को राशि देने या न देने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र रहेंगे। पंचायत इस क्षेत्र में कोई रोक-टोक लागू नहीं करेगी।

अहीर यादव समाज में अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अहीर यादव समाज के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर तैयारिया शुरू हो गई हैं। बैठक में सर्वसम्मति से समाज के वरिष्ठ बीडी यादव (मुख्य चुनाव अधिकारी) एवं पूरन लाल यादव (निर्वाचन अधिकारी) को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। चुनाव अधिकारी अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया 14 दिसंबर तक निम्न चरणों में संचालित होंगी। जिसमें मतदाता सूची का अवलोकन, सूची में त्रुटि सुधार व अंतिम प्रकाशन, नामांकन पत्रों की जांच आदि प्रक्रिया होंगी। इसके पश्चात् 04 जनवरी 2026 को (सुबह 10 से 5 बजे) समाज द्वारा 359 अधिकारिक मतदाता अपना मतदान करेंगे।

महिला से चेन झपटने वाला बदमाश सीसीटीवी में कैद: भोपाल। बाग सेवनिया इलाके में महिला से सोने की चेन झपटने वाले बदमाश का पुलिस को सुराग मिला है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर आरोपी वारदात से पहले स्पॉट पर रैकी करता दिखाई दिया है।

नाम परिवर्तन की घोषणा

मैं, संजीव कुमार शर्मा, पुत्र स्वर्गीय खेमचंद शर्मा निवासी मकान नंबर 59 ग्राम रातीबड़ भोपाल 462044 यह घोषणा करता हूं कि मैंने अपना नाम बदल लिया है।

पुराना नाम संजीव कुमार शर्मा था
नया नाम- संजीव शर्मा

भविष्य में मुझे सभी प्रयोजनों के लिए, सभी दस्तावेजों और अभिलेखों में, मेरे नए नाम संजीव शर्मा के रूप में जाना जाएगा। यह परिवर्तन (परिवर्तन की तिथि 03 दिसंबर 2025) से प्रभावी है।

नये दौर के पर्यटन विकास का सन्देश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

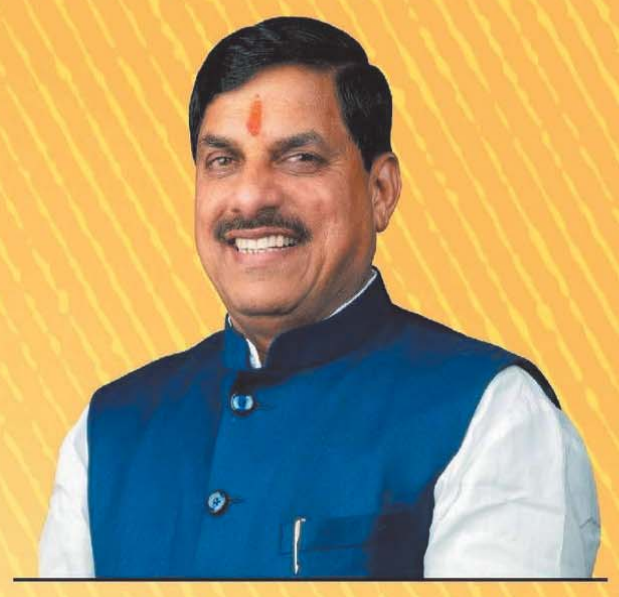

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

खजुराहो मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

विभागीय समीक्षा बैठक
8-9 दिसम्बर, 2025

मंत्रिपरिषद् बैठक
9 दिसम्बर, 2025 | पूर्वाह्न 10:30 बजे

बेहतर सुविधाएं, उन्नत अधोसंरचना और
विश्वस्तरीय अनुभव से जुड़ रहा है
मध्यप्रदेश पर्यटन

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

साकार होता विरासत के साथ विकास का संकल्प

D-11153/25

सीधा प्रसारण

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

गोवा नाइट क्लब में मौतों का जिम्मेदार कौन?

उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में आग लगने से हुई मौतों के लिए की वजह लापरवाही है। जितनी तत्परता अब दिखाई जा रही है, अगर ऐसी संजीदगी नियमों का पालन करने और कराने में होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था।

लापरवाहियों की लिस्टः नाइट क्लब में शनिवार आधी रात को जब आग लगी, तब यह पूरी तरह भरा हुआ था। वीकेंड मनाने आए लोग अचानक ही लपटों और धुएं के बीच फंस गए और ऐसी अफरातफरी मची कि कई लोगों को बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिला। अगर लापरवाहियों की लिस्ट निकाली जाए, तो बेहद लंबी है।

नियमों की अनदेखीः नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

एक जैसी लापरवाहीः जांच जारी है, और कई अनियमितताएं व नियमों का उल्लंघन सामने आए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा मानकों को लेकर यह लापरवाही आम है, खासकर फायर सेफ्टी को लेकर। इसी साल मई में हैदराबाद के गुलजार हौज इलाके में एक आवासीय बिल्डिंग में आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई थी। वहां भी हताहतों की संख्या ज्यादा होने के पीछे यही वजह निकली - संकरे रास्ते, वेंटिलेशन की कमी।

देर से जागेः अब सभी क्लब की जांच करने की बात की जा रही है, लेकिन इसके लिए किसी हादसे का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं।

पर्यटन को नुकसानः गोवा के त्ष्ठक्षमें पर्यटन का हिस्सा 16% से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23% ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है। राज्य सरकार को ऐसे उपाय करने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो।

हवाई सपनों की उड़ानें खतरों को कब तक बढ़ाएंगी?

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय विमानन उद्योग पिछले तीन दशकों से 'उड़ने की महत्वाकांक्षा और गिरने की मजबूरी' – दोनों का प्रतीक रहा है। 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण के बाद निजी एयरलाइंस का दौर शुरू हुआ। लोगों ने पहली बार एयर-ट्रैवल को राजसी विलासिता से निकालकर आम मध्यम वर्ग की पहुँच में आते देखा।लेकिन यह कहानी उतनी सरल नहीं थी।जहाँ एक ओर इंडियन एयरलाइंस और बाद में एयर इंडिया जैसी सरकारी कंपनियाँ भ्रष्टाचार, खराब प्रबंधन और राजनीतिक दखल से लगातार घाटे में डूबी रहीं, वहीं निजी क्षेत्र की किंगफिशर, जेट एयरवेज, सहारा एयरलाइंस और अन्य ब्रांड शुरुआती चमक-दमक के बाद दीवालियेपन, कर्ज, अनियमितताओं और जाँचों में फँसते चले गए।आज, जब इंडिगो–जो कभी भारत का सबसे मज़बूत और कुशल एयरलाइन मॉडल माना जाता था–लागत दबाव, परिचालन चुनौतियों और बाजार की उथल-पुथल से जूझ रहा है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर भारतीय विमानन में गड़बड़ी कहाँ है? और इस गड़बड़ी का ज़िम्मेदार कौन है–कंपनी मालिक, रेगुलेटर, नीति-निर्माता या सम्पूर्ण तंत्र?

इंडिगो को लंबे समय तक भारतीय विमानन का 'मॉडल केस स्टडी' कहा गया। 2006 में शुरू हुई इस एयरलाइन के संस्थापक – राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल – का कोई बड़ा विमानन पृष्ठभूमि नहीं था। यही कारण था कि उद्योग में उन्हें 'नये खिलाड़ी' माना गया, लेकिन उनकी रणनीति बेहद आक्रामक और पेशेवर थी। एक ही मॉडल के विमान (A320/A321), समय पर उड़ान, कम किराए और तेज़ी से बेड़ा बढ़ाने की रणनीतियों ने इंडिगो को 50% से अधिक घरेलू मार्केट शेयर तक पहुँचा दिया। लेकिन आज इंडिगो नई चुनौतियों से जूझ रहा है। बढ़ती परिचालन लागत - ईंधन, हवाईअड्डा शुल्क और रखरखाव लागत में भारी वृद्धि, पायलट और केबिन कर्मचारियों की कमी, ड्यूटी के दबाव की स्थिति, हड़ताल जैसी तकनीकी समस्याएँ, इंजन विवाद के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द, विमान ग्राउंडेड।अंतरराष्ट्रीय विस्तार में अनिश्चितता।फिर प्रतिस्पर्धा का नया दौर – टाटा समूह की एयर इंडिया और उसकी साथी सिंगापुर एयरलाइन्स, आकासा जैसी एयरलाइंस चुनौती दे रही हैं। वैसे एयर इण्डिया भी पूरी तरह सफल नहीं हो रही है और चुनौतियां बढ़ती जा रही है। इंडिगो को अभी 'वित्तीय पतन' की स्थिति में नहीं कहा जा सकता, लेकिन लाभ में गिरावट और ऑपरेशनल गड़बड़ियाँ साफ संकेत देती हैं कि भारत के सबसे मजबूत ब्रांड को भी संकट से गुज़रने का खतरा है।

सरकारी एयरलाइंस के रूप में विमान सेवाओं का घाटे का

सिलसिला कभी रुका ही नहीं। असफलताओं के कई कारण दशकों से सामने आते रहे, जैसे राजनीतिक दख़ल, खरीद-फ़रोख़्त में गड़बड़ी, महँगे विमान सौदे, अक्षम प्रबंधन, कर्मचारियों की अधिक संख्या, भ्रष्टाचार के आरोप और विदेशी रूट्स का दबाव। एयर इंडिया की हालत इतनी ख़राब थी कि उसे चलाने के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपये की सरकारी सब्सिडी और सहायता देनी पड़ती थी। अंततः 2022 में इसे टाटा समूह को बेचकर सरकार ने अपने कंधे हल्के किए।

निजी एयरलाइनों ने शुरुआत में चमचमाते विज्ञापनों, मॉडल-आधारित प्रचार और 'लक्ज़री' की छवि से यात्रियों को लुभाया। लेकिन कई कंपनियों का पतन अव्यवस्थित बिज़नेस मॉडल, अनियंत्रित विस्तार, कर्ज और नियामकीय ढिलाई के कारण तेज़ हो गया। किंगफिशर को कभी भारत की 'फाइव-स्टार एयरलाइन' कहा जाता था।अत्यधिक खर्च, महँगा ब्रांडिंग मॉडल और गलत अधिग्रहण (Air Deccan) ने किंगफिशर को कर्ज़ के पहाड़ में धकेल दिया। करीब 7000+ करोड़ बैंक कर्ज़, टैक्स बकाया, कर्मचारियों के वेतन लंबित और कई जाँच और कानूनी विवाद से हालत ख़राब हुई। विजय माल्या पर धन शोधन और बैंक धोखाधड़ी के मामले दर्ज हुए, जिसके बाद वह देश छोड़कर चला गया और भारत के लिए 'वित्तीय भगोड़े' का प्रतीक बन गए।

इसी तरह सहारा एयरलाइंस की विमान सेवाएँ 90 के दशक में काफी लोकप्रिय हुई, लेकिन धीरे-धीरे वित्तीय विवाद और नियामकीय दबाव बढ़ते गए। बाद में यह कंपनी जेट एयरवेज को बेच दी गई। सहारा समूह के खिलाफ बड़े पैमाने पर सेबी के केस चले, और सुब्रत रॉय को लंबे समय तक जेल का सामना करना पड़ा। जेट एयरवेज कभी भारत की सबसे प्रतिष्ठित निजी एयरलाइन थी लेकिन 2015-2018 के बीच लागत बढ़ने, खतरनाक कर्ज़ और प्रबंधन विवादों ने इसे धराशायी कर दिया। मालिक नरेश गोयल परवित्तीय अनियमितताओं, विदेशी फंडिंग संबंधी जांच और मनी लॉन्ड्रिंग आरोप के मामले चले और वे जेल तक पहुँचे। जेट के बंद होने से लाखों यात्रियों, हजारों कर्मचारियों और सप्लाई-चेन कंपनियों को भारी नुकसान हुआ।

देश में हवाई सेवाओं को लेकर भारतीय विमानन नियामक और नागरिक उड्डयन मंत्रालय पर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। समय पर हस्तक्षेप की कमी रही। कई एयरलाइंस के वित्तीय संकेत वर्षों तक खराब रहे, लेकिन नियामक ने देर से कदम उठाए।सर्दियों में कोहरा या कम विज़िबिलिटी में उड़ान के लिए पायलटों को विशेष प्रशिक्षण चाहिए होता है। लेकिन यह प्रशिक्षण महँगा पड़ता है, इसलिए कई निजी एयरलाइन्स पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं करातीं।नियामक कई बार सलाह जारी करता रहा, परंतु कठोर कार्रवाई कभी नहीं की गई। सुरक्षा निरीक्षण सिर्फ 'औपचारिकता' के रूप में किए जाते रहे। यही नहीं दबाव में एयरलाइन लाइसेंस देने में जल्दबाजी की गई। व्यावसायिक मॉडल कमजोर होने के बावजूद कई कंपनियों को उड़ान की अनुमति दे दी गई।इन कमज़ोरियों ने भारतीय विमानन को 'उड़ान के पहले ही ख़तरे' में झोंक दिया। एक तथ्य यह भी है कि भारत की एयरलाइंस विदेशी लीज़िंग कंपनियों और डॉलर आधारित लागत पर अत्यधिक निर्भर हैं, जिससे वित्तीय जोखिम बढ़ता है। लेकिन जब भी कोई एयरलाइन बंद होती है यात्रियों का पैसा फँसताहै टिकट रद्द होते हैं किराए अचानक बढ़ जाते हैं कर्मचारियों की नौकरियाँ जाती हैंकिंगफिशर, जेट और सहारा के बंद होने से जनता ने भारी नुकसान झेला। और यही चक्र दोहराया जा रहा है, बस नाम बदलते रहते हैं।

भारत के विमानन संकट की जड़ें, लागत बहुत अधिक, किराया बहुत कम, कंपनियाँ लंबे समय तक सस्ते टिकट देकर बाजार कब्जाने की कोशिश करती हैं, लेकिन नुकसान बढ़ता जाता है। डॉलर में लागत, रुपये में आय, ईंधन, लीज़िंग, इंजन, मेंटेनेंस – सब का भुगतान डॉलर में लेकिन कमाई रुपये में होती है। डी जी सी ए की निगरानी मजबूत नहीं रही है। सरकारी एयरलाइनों में तो यह स्थायी समस्या रही है।

टाटा समूह के हाथों में एयर इंडिया का पुनर्जीवन एक उम्मीद जगाता है। इंडिगो अभी भी एक बड़ी और महत्वपूर्ण एयरलाइन है, लेकिन उसे अपनी रणनीति नए दौर के अनुसार बदलनी होगी। आकासा जैसी नई एयरलाइंस सादगी और दक्षता पर जोर दे रही हैं। लेकिन जब तक डी जी सी ए वास्तविक निगरानी नहीं करेगा,पायलट प्रशिक्षण में सुधार नहीं होगा, वित्तीय पारदर्शिता नहीं बढ़ेगी, राजनीति और विमानन का रिश्ता साफ नहीं होगा, कंपनियों के दिवालिया होने पर जनता को सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक भारत विमानन उद्योग उछाल और गिरावट के इस चक्र से मुक्त नहीं हो पाएगा। विमानन सिर्फ उड़ान भरना नहीं है; यह उस भरोसे का प्रश्न है जिसे यात्री हर बार अपनी जान सौंपकर बनाते हैं। यदि यह भरोसा बार-बार टूटा, तो एयरलाइंस नहीं, बल्कि पूरा देश कीमत चुकाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

जिन्दगी हमें सिखाती है कि अगर शांति चाहिए तो दूसरों की शिकायत करने से बेहतर है खुद को बदल लो। क्योंकि पूरी दुनिया में कारपेट बिछाने से खुद के पैरों में चप्पल पहन लेना अधिक सरल है।

-अज्ञात

निशाना

गरीबों के रिश्ते तो चलते हैं..!

कुमार अखिलेश

जिंदगी तुझे खुद में तलाश होते देखा है,
कभी हताश तो, कभी निराश होते देखा है।
गरीबों के रिश्ते तो चलते हैं तमाम उम्र,
हमनें अक्सर अमीरों में,
तलाक होते देखा है।
झोपड़ियों में देखी है, जिंदगी रोशन होते हुए,
और महलों को भी हमनें, खाक होते देखा है।
दौलत रुआब रूतबा। शबाब, शौहरत,
श्मशान में सबको हमने, राख होते देखा है।
जिन्हें जुगनू मानने को तैयार नहीं थे लोग,
उन्हें भी हमनें आफ़ताब, होते देखा है।
मजबूत इरादों के बदौलत, हमने यहां पर,
आसमां में भी, सुराख होते देखा है।
करवाचौथ में आसमां के चांद के लिए,
कितने चेहरों को, मेहताब होते देखा है।
बिना जुर्म के किसी ने,
काटी है सजा उम्र भर,
और गुनाहगारों को भी हमनें,
बेदाग होते देखा है।

'ऑपरेशन फेथ'...जब अपने ही कदमों की आहट से डर रही थीं भोपाल की सड़कें

योगेन्द्र शर्मा
रिटायर्ड आईएएस अफसर

भोपाल को उस रात ज़रा भी अंदेशा नहीं था कि 2-3 दिसंबर 1984 की साँसें इतिहास की सबसे भीषण औद्योगिक त्रासदी में तब्दील होने जा रही हैं। मृतकों की कतारें बढ़ती चली गई लगभग 3,800 जानें बुझ गईं, और 6-7 लाख लोगों की ज़िंदगी ज़हरीली गैस के दंश से हमेशा के लिए बदल गई। यह घाव केवल शरीर तक सीमित नहीं था–यह आने वाली पीढ़ियों की किस्मत में दर्ज हो चुका था।

शहर पर ऐसा आतंक छाया था कि लोग अपने घरों में रहना भी मौत को दावत देना समझने लगे। बस एक ही डर–यूनियन कार्बाइड का बचा हुआ MIC कहीं फिर से न रिस जाए। भोपाल की सड़कें जैसे अपने ही कदमों की आहट से डर रही थीं, बस्तियाँ सूनी थीं, और हवा में फैला सन्नाटा हर दिल की धड़कन को जकड़े हुए था। जनता का विश्वास लौटाना उस समय सबसे बड़ी चुनौती थी। इसलिए 16 दिसंबर को सरकार ने 'ऑपरेशन फ़ेथ' शुरू किया–फैक्ट्री में बची MIC गैस को निष्प्रभावी करने की योजना। ऑपरेशन शुरू होने से पहले वरिष्ठ अधिकारियों और पत्रकारों को फैक्ट्री का निरीक्षण कराया जाने लगा। मुझे इन दौरों में हमेशा साथ रहने का कार्य सौंपा गया। आश्चर्य यह था कि कई अधिकारी और पत्रकार सबसे पहले मुझसे ही पूछते–

'अंदर जाना सुरक्षित है न?' मैं उन्हें बताता– 'मैं सुबह से शाम तक यहीं रहता हूँ... यहीं खाना खाता हूँ... अभी तक किसी तरह का दुष्प्रभाव नहीं हुआ।' मेरी बात सुनकर उनके चेहरों पर उभरता विश्वास मैं आज भी नहीं भूल पाया हूँ। सच यह था कि मैं भी भयभीत था–जितना कोई भी आम आदमी होता। लेकिन सुरक्षा इंतज़ाम इतने मजबूत थे कि मन को दृढ़ किया जा सके। हर जगह पानी से भरी बाल्टियाँ और गीले तौलिए रखे थे, ताकि ज़रा-सी गैस रिसने पर हम अपनी सांस को बचा सकें। फैक्ट्री का छोटा अस्पताल, जिसमें 6 बेड और एयर-टाइट मास्क लगे ऑक्सीजन सिलिंडर थे, हमेशा तैयार रहता था। मैंने स्वयं उन बेडों पर लेटकर ड्रिल की थी–विशेष व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।

ऑपरेशन फ़ेथ — अंदर का सच और बाहर का भयः 16 दिसंबर से लगभग 25 टन MIC को निष्प्रभावी करने की प्रक्रिया शुरू हुई। वास्तव में यह MIC से 'सेविन' बनाने की सामान्य उत्पादन प्रक्रिया ही थी–क्योंकि निष्प्रभावी करने का कोई अन्य तरीका उपलब्ध नहीं था। इस तथ्य को सार्वजनिक नहीं किया गया; लेकिन कुछ पत्रकारों को इसका अंदेशा हो गया और वे व्यंग्य में इसे 'ऑपरेशन फ़ेक' कहने लगे। जैसे-जैसे प्रक्रिया आगे बढ़ी, पुराने भोपाल की सड़कें बिल्कुल वीरान हो गईं–कुछ ऐसी, मानो किसी ने डर को आदेश देकर उतार दिया हो।

कर्फ़्यू न होने पर भी शहर कर्फ़्यू-सा दिखता था। ड्यूटी पर लगे अधिकारियों में भी भय स्पष्ट था–कई फैक्ट्री के आसपास अपने वाहन चालू रखते थे, ताकि थोड़ी-सी भी आशंका होने पर तुरंत भाग सकें। फैक्ट्री की बाहरी दीवारें जूट के बोरों से ढक दी गई थीं। नगर निगम की टीमें जूट के बोरों पर पानी का छिड़काव करती रहीं, जबकि ऊपर से सेना के हेलिकॉप्टर फैक्ट्री पर लगातार पानी बरसा रहे थे–मानो आसमान खुद शहर की पीड़ा धोने की कोशिश कर रहा हो। हम लोग, जो फैक्ट्री के भीतर सांसें समेटकर काम कर रहे थे, जानते थे कि गैस को निष्क्रिय करने का रास्ता वही पुराना उत्पादन-क्रम था। भय और कर्तव्य–दोनों हमारे भीतर बराबर तैर रहे थे।

मुख्यमंत्री का दौरा — और जीवन का अविस्मरणीय क्षणः 17 दिसंबर को कलेक्टर का संदेश मिला कि माननीय मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव फैक्ट्री का निरीक्षण करेंगे। उनकी सुरक्षा तथा प्रवेश की व्यवस्था का दायित्व मुझे सौंपा गया। समय पर मुख्यमंत्री श्री अर्जुन सिंह और मुख्य सचिव श्री ब्रह्मस्वरूप जी फैक्ट्री पहुँचे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

डॉक्टर की सलाह

सर्दियों में दिल का रखें खास ख़याल बढ़ जाते हैं हार्ट अटैक के मामले

सर्दियों का मौसम दिल के मरीजों के लिए सबसे ज्यादा जोखिम भरा माना जाता है। इस मौसम में ठंड के कारण शरीर की नसें सिकुड़ जाती हैं, ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।यही वजह है कि सर्दियों में हार्ट अटैक के मामले बढ़ जाते हैं। देश के जाने-माने दिल के डॉक्टर डॉ. बिमल छजेड़ के अनुसार सर्दियों में खानपान, पार्टी, तला-भुना खाना और सुस्ती भी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाएं, तो हार्ट अटैक, स्ट्रोक और अचानक कार्डियक अरेस्ट का खतरा कई गुना बढ़ सकता है। डॉक्टर ने बताया कि हार्ट पेशेंट, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापे से जूझ रहे लोगों को सर्दियों में खास सावधानी रखनी चाहिए। हार्ट अटैक से बचने के लिए आपको इस मौसम में कुछ गलतियों से बचना चाहिए।

सर्दियों में सुबह बहुत अधिक ठंड होती है। इस समय नसें सिकुड़ी रहती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में अचानक ठंडी हवा में तेज वॉक करने से सीने में दर्द, एंजाइना या हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए बहुत सुबह की ठंड में वॉक करने से बचें। अगर जाना ही हो तो पहले शरीर को गर्म करें, लेयर्ड कपड़े पहनें और हल्का वार्म-अप करके जाएं। सबसे बेहतर समय दोपहर या शाम का होता है।

ठंड में लोग सोचते हैं कि ज्यादा एक्सरसाइज करेंगे तो सेहत बेहतर होगी, लेकिन बहुत ज्यादा तेज वर्कआउट करना नुकसानदेह हो सकता है। ठंडी हवा में मांसपेशियों को पूरा खून नहीं मिल पाता और दिल पर भी ज्यादा दबाव पड़ता है। इससे कमजोरी, चक्कर और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए हल्की और मध्यम गति की एक्सरसाइज करें, जैसे योग, घर के अंदर टहलना, हल्की स्ट्रेचिंग या आराम से एरोबिक्स। सर्दियों में फ्राइड स्नैक्स, घी-तेल वाला खाना और नमकीन चीजें ज्यादा खाई जाती हैं। इससे ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड बढ़ जाते हैं। खून गाढ़ा हो जाता है और दिल पर दबाव बढ़ता है। इसकी जगह आंवला, संतरा, मौसंबी जैसे खट्टे फल, हरी सब्जियां और हल्का भोजन लेना बेहतर होता है।अगर हाथ-पैर ज्यादा ठंडे पड़ने लगें, सीने में हल्का दर्द हो, सांस फूलने लगे या बेचैनी महसूस हो, तो इसे बिल्कुल नजरअंदाज न करें। ये संकेत दिल तक खून के सही प्रवाह में रुकावट के हो सकते हैं। समय रहते डॉक्टर से संपर्क करना बहुत जरूरी है।

कई लोग यह सोचते हैं कि शराब पीने से शरीर गर्म रहता है, लेकिन यह बहुत खतरनाक गलतफहमी है। शराब नसों को फैला देती है, जिससे शरीर की गर्मी तेजी से बाहर निकलती है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल पर ज्यादा बोझ पड़ता है। शराब की जगह गरम सूप, हर्बल चाय या गुनगुना पानी लेना ज्यादा सुरक्षित और फायदेमंद होता है। ठंड में लोग बाहर निकलना बंद कर देते हैं और पूरी तरह सुस्त हो जाते हैं। इससे वजन बढ़ता है, शुगर कंट्रोल बिगड़ती है और कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है। इसलिए घर के अंदर ही सही, लेकिन रोजाना कुछ न कुछ शारीरिक गतिविधि जरूर करें। घर में टहलना, साइकिल चलाना या योग करना बहुत फायदेमंद होता है।

इस मौसम में में लोग अक्सर घर में ज्यादा रहते हैं, बाहर मिलना-जुलना कम हो जाता है, जिससे तनाव और घबराहट बढ़ सकती है।

यूजर्स गाइड

एसएमएस भेजने से ज्यादा सुरक्षित वॉट्सऐप मैसेज, प्रायवेसी के लिए कदम

एंड्रॉयड और आईफोन के जरिए टेक्स्ट मैसेज करने वालों को अमेरिका की जांच एजेंसी FBI (Federal Bureau of Investigation) ने चेतावनी दी है। अब नए कानूनों ने टेक्स्टिंग बंद करने का एक और कारण दे दिया है। अमेरिका में सिक्योर मैसेजिंग ऐप इस्तेमाल करने की जगह फोन के मैसेज ऐप से टेक्स्टिंग (SMS) करने वालों को अब थोड़ा सावधान रहना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि कुछ समय पहले अमेरिका की सरकारी एजेंसी ने प्राइवेट मैसेजिंग एप्लिकेशन को सुरक्षित करने के लिए कहा था। इसका मतलब है कि केवल एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन का उपयोग करें, जो ऐसे पूरी फ्री मैसेजिंग ऐप्स का इस्तेमाल करें, जो एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन हों।

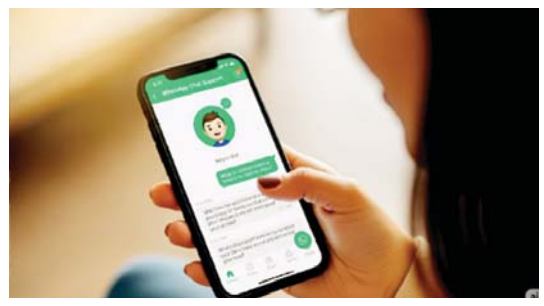

यूजर्स की प्राइवेसी को खतराः आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यूरोप में नए कानून आए हैं, जो एन्क्रिप्टेड और गैर-एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग के बीच अंतर करते हैं। इन कानूनों के तहत, कंपनियों को अवैध कंटेंट का पता लगाने के लिए मैसेज को स्कैन करना पड़ सकता है। श्वसन्न जैसी संस्थाएं चिंतित हैं कि इससे लोगों के प्राइवेट मैसेज की बड़े पैमाने पर स्कैनिंग हो सकती है, जिससे उनकी प्राइवेसी खतरे में पड़ सकती है।

CISA के अनुसार, यूजर्स को मैसेजिंग के लिए सिग्नल (Signal) या व्हाट्सऐप (WhatsApp) जैसे ऐप्स का इस्तेमाल करना चाहिए। ये दोनों ही सबसे अच्छे, पूरी तरह से सुरक्षित और क्रॉस-प्लेटफॉर्म ऑप्शन हैं। यूरोप के कानून निर्माताओं ने अब एन्क्रिप्टेड और नॉन-एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग के बीच अंतर करने का फैसला किया है। वे टेक्नोलॉजी कंपनियों पर अवैध कंटेंट का पता लगाने के लिए दबाव डाल

रहे हैं। EFF (इलेक्ट्रॉनिक फ्रंटियर फाउंडेशन) के अनुसार, इसका मतलब है कि उन व्यक्तिगत मैसेज को स्कैन किया जाएगा, जो एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड नहीं हैं। यह यूजर्स के लिए अच्छा नहीं है।

जिस प्रकार अमेरिका में, सुरक्षित और असुरक्षित मैसेजिंग के बीच एक साफ अंतर है। EFF का कहना है कि उन्हें चिंता है कि स्कैनिंग का यह तरीका गैर-एन्क्रिप्टेड सर्विस को बड़े पैमाने पर स्कैनिंग की ओर ले जाएगा। बता दें कि Apple अभी भी नए न्नष्टस्प्रोटोकॉल को नहीं अपना रहा है, जो एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन जोड़ता है। इस कारण क्रॉस-प्लेटफॉर्म मैसेजिंग आज भी एक साल पहले की तरह सुरक्षित नहीं हैं। पहले भी FBI ने सभी अमेरिकी नागरिकों को टेक्स्टिंग बंद करने की चेतावनी दी थी।

न्यूज विंडो

प्रतियोगिता के समापन पर विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र किए वितरित

गंजबासौदा। शासकीय संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में मेरा युवा भारत, विदिशा के तत्वावधान में सावित्री महिला मंडल के सहयोग से विकासखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हरिसिंह रघुवंशी ,विशेष अतिथि नगर पालिका की अध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, महाविद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र ठाकुर, शुभेन्द्र सिंह राजपूत, मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन से किया गया। उल्लेखनीय है कि विकासखंड स्तर पर महिला वर्ग की खो-खो, 100 मीटर दौड़ गोला फेक एवं पुरूष कबड्डी,100 मीटर दौड़, गोला फेक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। समापन के अवसर पर प्रतियोगिता भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र, ट्रॉफी एवं मैडल वितरित किए गए।

सांसद नारोलिया ने पुस्तकालय भवन निर्माण का किया भूमिपूजन

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने आर्ष गुरुकुल नर्मदापुरम परिसर में पुस्तकालय भवन कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। यह निर्माण कार्य राज्यसभा सांसद नारोलिया की सांसद निधि 10 लाख की राशि से कराया जा रहा है। भूमि पूजन स्वामी ऋतस्पति परिवाजक नैस्टिक जी के आचार्यत्व में धार्मिक विधिविधान से सम्पन्न हुआ। भूमिपूजन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, जिला महामंत्री कुंवर सिंह यादव, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता भारत सिंह राजपूत, मनोहर बडानी, राजेश तिवारी, अमित माहला, लक्ष्मण सिंह बेस, संजीव मालवीय, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया, मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, आरी मंडल अध्यक्ष विपिन यादव, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक महालह, विधायक प्रतिनिधि महेन्द्र यादव, पार्षद बिंदिया मांझी, पार्षद निर्मला हंसराय, मंडल पदाधिकारी प्रशांत पालीवाल, सुमित गौर, कमल चव्हाण, संतोष मीना, योगेन्द्र सोलंकी, सचिन तोमर, सुचित्रा यादव, मण्डल अध्यक्ष महिला मोर्चा चंचल राजपूत, वंदना महतो, मनीष परदेशी, हरि शर्मा, धर्मेंद्र जाट, अनूप रिझारिया, वैजन्ती, सौम्या राजपूत, पंकज बरगले, ऋषभ शुक्ल, गुरुकुल के स्वामी सप्तसिंधु जी, ब्रह्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

राज्य शिक्षक संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त शिक्षक संवर्गों की समस्याओं की निराकरण के लिए राज्य शिक्षक संघ ने एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम तहसील कार्यालय में सौंपा है। राज्य शिक्षक संघ ने ज्ञापन में कहा है कि राज्य शिक्षा सेवा में अध्यापक संवर्ग की नियुक्ति एक जुलाई 2018 से की गई है उस दिन के बाद से आज तक अध्यापक सवर्ग से नियुक्त शिक्षकों की वरिष्ठ तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बरकरार है नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता न मिलने के कारण अनेक लाभों से वंचित होना पड़ रहा है। अध्यापक संवर्ग को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ दिया जाए। मध्यप्रदेश के सरकारी विद्यालयों के शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय जाकर निष्ठापूर्ण कार्य करते हैं इसी का परिणाम है कि प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शासकीय विद्यालयों के बच्चे स्थान बनाते है। इसलिए नियमित उपस्थिति के लिए अव्यवहारिक ई अटेंडेंस व्यवस्था को बंद किया जाए।

मार्ग अवरूद्ध किया तो होगी जुर्माना और जब्ती की कार्रवाई

नर्मदापुरम। नगरपालिका के अतिक्रमण दल द्वारा लगातार कार्रवाई कर सड़क मार्ग को अवरूद्ध करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। रविवारीय हाट बाजार में सतरस्ते पर सड़क मार्ग अवरूद्ध कर व्यवसाय कर रहे फल सब्जी के ठेले वालों को निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया, साथ ही समझाइश दी गई कि अब दोबारा सड़क मार्ग अवरूद्ध किया तो जुर्माने के साथ ही सामग्री भी जब्त की जाएगी। जिसकी जिम्मेदारी फल एवं सब्जी विक्रेता की होगी। अतिक्रमण दल सहप्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर यातायात को सुगम बनाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। सतरस्ता, इंदिरा चौक, हीरो होण्डा चौक पर सड़क किनारे फल एवं सब्जी का व्यवसाय करने वाले को निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया। साथ ही समझाइश दी गई है कि अगर दोबारा सड़क मार्ग अवरूद्ध किया तो जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। श्री राजपूत ने बताया कि इसके अलावा भोपाल तिराहे और रसूलिया के नागरिकों की शिकायत पर एक कालोनी का अतिक्रमण हटवाया गया। नपाध्यक्ष यादव ने फल एवं सब्जी विक्रेताओं से आग्रह किया है कि वे सड़क मार्ग पर किसी भी प्रकार से अतिक्रमण न करें। फल एवं सब्जी विक्रेता अपने निर्धारित स्थान से ही व्यवसाय करें।

राज्यसभा सांसद ने किया खस्ताहाल रेल ओवर ब्रिज का निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

मैंटनेंस पर अधिकारी से दो टूक-गलत चीजों से नहीं होगा समझौता, लीपापोती बिल्कुल न करें

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी के सामने स्थित नर्मदापुरम-इटारसी रेल ओवर ब्रिज के खस्ताहाल हालत को लेकर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने गंभीर चिंता जताई है। सांसद नारोलिया ने चार दिन पहले शुरू हुए मेंटेनेंस कार्य का निरीक्षण किया और भोपाल रेल मंडल के उप मुख्य अभियंता (निर्माण) नितिन वर्मा से मेंटेनेंस की जानकारी ली।उप मुख्य अभियंता वर्मा ने बताया कि बरसात से पहले ब्रिज की कुछ रिपेयरिंग की गई थी, लेकिन दरारें आ गईं और नीचे मिट्टी भराब होने से बारिश का पानी नीचे जाने से, ब्रिज का नीचे बैठाव हो रहा है।जिसके कारण दिक्कतें हो रही हैं। फिलहाल आधे ब्रिज को बंद करने की अनुमति मिली है और जहां कंक्रीट ज्यादा खराब हुआ है, वहां सड़क तोड़कर रिपेयरिंग की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान सांसद नारोलिया ने अधिकारियों को साफ कहा कि गलत कार्य और लीपापोती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लिखित में जानकारी मांगी कि खराब काम के लिए ठेकेदार का भुगतान क्यों किया गया, क्या इंजीनियर डिजाइन के अनुसार काम हुआ, और गलत जानकारी क्यों दी गई। सांसद ने रेल अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई,दरअसल पिछली रेल कमेटी की बैठक में भी इस ब्रिज को लेकर राज्य सभा सांसद नें कई सवाल उठाए थे और अधिकारियों ने गलत जानकारी दी थी, जिसके लिए उन्होंने बाद में खेद भी व्यक्त किया था निरीक्षण के दौरान डीआरयूसीसी सदस्य योगेंद्र राजपूत ने भी कहा कि दरारें भरना कोई स्थायी समाधान नहीं है, इसे तकनीकी दोष माना जाना चाहिए और अस्थायी व्यवस्था न करें।बता दे कि रेल ओवर ब्रिज का निर्माण करीब दो वर्ष पूर्व, रेल विभाग के ईई मतीन खान की देखरेख मे 28 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है.लेकिन निर्माण के बाद ही सड़कों पर गड्ढे और दरारें आ गईं जिससे दुर्घटना हो रही है। रेलवे विभाग नें एक- दो मेंटेनेंस करा चुकी है बाबजूद उसके ब्रिज कि स्थिति जानलेवा बन चुकी है एक बार फिर रेलवे नें मेंटेनेंस शुरू किया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इसके लिए कोई टेंडर जारी नहीं किया गया है।

सदन मे रेल मंत्री को देंगे ब्रिज संबंधी जानकारी

रेल ओवर ब्रिज निर्माण के निरीक्षण के दौरान, पत्रकारो से रू ब रू होते हुये राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा कि जनता को राहत मिलेगी। जनता कि तकलीफों का देखते हुये वे खस्ताहाल रेल ओवर ब्रिज पर चल रहे मेंटनेंस का काम देखने आयी है। उन्होंने कहा कि इस ब्रिज के निर्माण में बहुत बड़ा घपला और घोटाला हुआ है। श्रीमति नारोलिया ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री हमेशा कहते है कि जो भी निर्माण होगे, गुणवत्ता पूर्ण होंगे। उन्होंने रेल अधिकारी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुये कहा कि,सक्षम रेल अधिकारी, इंजीनियर और एंजेसी ने निर्माण के दौरान समय समय पर गुणवत्ता की जॉच क्यो नही की।जॉच के दौरान अगर कोई, गुणवत्ता हीन काम हुआ था तो उसकी क्या कार्रवाही की,अभी अधिकारी निरूउत्तर है। उन्होने कहा कि रेल ओवर ब्रिज निर्माण से जुडी फाइलें मांगाकर पूरी जानकारी लेगें। संबंधित ठेकेदार पर क्या कार्रवाही की है। और गुणवत्ता हीन काम हुआ था तो ठेकेदार का भुगतान कैसे कर दिया गया।उन्होने आरोप लगाया कि ओवर ब्रिज निर्माण में घटिया सामग्री लगी है।उसमें सामग्री सप्लायर और ठेकेदार की मिली भगत लग रही है। हम कल सदन के माध्यम से रेलमंत्री को दो साल पहले बने रेल ओवर ब्रिज के खस्ताहाल की पूरी जानकारी देंगे। उन्होने कहा की रोजाना मीडिया में रेल ओवर ब्रिज के घटिया निर्माण को लेकर खबर आ रही है। उसके बाद भी सक्षम अधिकारी और एजेंसी के कान में जूं तक नही रेंग रही है। जल्द ही सांसद दर्शन सिंह और मै रेल मंत्री से बात करेंगे।

बाघिन को राजस्थान भेजने की तैयारी गले से रेडियो कॉलर निकला

सिवनी। दोपहर मेट्रो

पेंच टाइगर रिजर्व की बाघिन पीएन 224 को राजस्थान भेजने की तैयारी के बीच उसके गले से रेडियो कॉलर निकल गया है। पेंच प्रबंधन ने हाल ही में इस तीन साल की बाघिन को बेहोश कर सैटेलाइट रेडियो कॉलर लगाया था, लेकिन 24 घंटे के भीतर ही यह कॉलर जंगल में गिर गया। गत दिवस पेंच टाइगर रिजर्व के मैदानी अमले को निगरानी के दौरान रूखड़ बफर जंगल की झाड़ियों में यह कॉलर मिला। हालांकि, कॉलर से कुछ दूरी पर बाघिन स्वस्थ अवस्था में विचरण करती देखी गई। अब पेंच प्रबंधन आगामी दिनों में बाघिन को दोबारा कॉलर लगाने की कोशिश करेगा।

समिति का उद्देश्य हर जरूरतमंद को मिले रक्त

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

रक्त सेवा समिति के जिले में विस्तार हेतु रविवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें रक्त सेवा समिति के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में निर्णय लिया कि सभी ग्राम पंचायत, सभी वार्डों और जिले की सभी तहसीलों में समिति का गठन कर विस्तार किया जाएगा। रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी ने कहा कि रक्तदान, महादान ,जीवनदान है, इसकी जन जागृति के लिए सभी क्षेत्र में सक्रिय टोली का निर्माण कर आगामी माह में शिविरों का आयोजन किया जाए। और ग्रामों में रक्त की कमी से कोई परेशानी ना हो, गांव के लोग गांव में ही रक्तदान करने के लिए गांव के ही रक्तदाता मिल जाए, इस उद्देश्य से रक्त समूह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा।

अभी तक 350 गांव में शिविर लगाए जा चुके हैं और पुनः लगाकर सूची को अपडेट कर ग्राम में ही उपलब्ध कराने का समिति ने निर्णय लिया है। इस बैठक में राजेंद्र गौर ,राजेश बघेल ,मनोज दुबे ,राकेश खटीक, मुकेश तिवारी, केशव भावसार ,सुनील अहिरवार, प्रकाश कुर्मी, राजेश शर्मा ,गौरीशंकर दंडोतिया, दिनेश नामदेव, घनश्याम सिंह, सुरेंद्र सिंह, परवेज फ़जलानी ,हरिनारायण शर्मा, जगपाल लोधी, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रमुख सड़कों पर ही बैंक, लेकिन पार्किंग की सुविधा नहीं

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर की सभी प्रमुख बैंकों के बाहर पार्किंग सुविधा नहीं होना नागरिकों के लिए बड़ी दुविधा बन गया है। शहर में करीब एक दर्जन बैंकों का संचालन होता है। इनमें से सिर्फ नया बस स्टैंड स्थित स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की हाजीपुर शाखा बाहर ही पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा किसी भी बैंक के बाहर वाहन पार्किंग की व्यवस्था न तो बैंक प्रबंधन ने की है और न ही जिन भवनों में बैंक संचालित हो रही है। उनके मालिकों ने की। शहर की सबसे ज्यादा बैंको का संचालन मंडी बायपास रोड पर होता है। यहां पर जिला सहकारी बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, आईआईएफएल, कैपरी बैंक, मुथुट फाइनेंस बैंक और बजाज फाइनेंस बैंक के कार्यालय स्थित है।

बैंकों में हर दिन हजारों उपभोक्ता लेन-देन या फाइनेंस के काम लेने के लिए आते हैं। इन सभी बैंको का संचालन किराए के भवन में ही हो रहा है। बावजूद इसके न तो कभी बैंक प्रबंधन ने बैंकों के बाहर पार्किंग सुविधा उपलब्ध करवाने का प्रयास किया और न ही कभी इन बैंको के मकान मालिकों ने कोई कोशिश की। इसका हर दिन बैंको में आने वाले उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है। उन्हें अपने वाहन सड़क किनारे ही खड़े करके भीतर जाना पड़ता है। ऐसे ही हाल पालीवाल कॉलोनी में स्थित यूनियन बैंक के हैं।

इस बैंक के सामने 10 फीट चौड़ी सीसी सड़क है। उपभोक्ता इसी सड़क पर वाहन खड़े कर बैंक में लेन-देन करने जाते हैं। विधायक के निर्देश पर 3 महीने बाद भी अमल नहीं हो सका। बैंकों के बाहर सड़क पर वाहन पार्किंग होने के कारण मंडी बायपास रोड पर बुरे हाल होते हैं। हर दिन यहां पर जाम की स्थिति बनती है। जिसके चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। तीन महीने पहले विधायक उमाकांत शर्मा जब मंडी बायपास रोड का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे थे तो उन्होंने साथ में मौजूद एसडीएम हर्षल चौधरी को बैंकों के बाहर होने वाली पार्किंग को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए थे। उनके इन निर्देशों पर प्रशासन 3 महीने बाद भी अमल नहीं कर सका है। जबकि मंडी में आवक के चलते इस मार्ग पर हर दिन जाम लग रहा है।

नगर में आवारा कुत्तों का आतंक

अलग-अलग स्थानों पर 1 दिन में 11 लोगों को किया घायल

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

नगर पंचायत औबेदुल्लागंज क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को मात्र एक ही दिन में अलग-अलग स्थानों पर 11 लोगों को कुत्तों ने घायल कर दिया, जिसमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी शासकीय अस्पताल औबेदुल्लागंज में उपचार के लिए पहुंचे पीड़ितों की सूची से मिली। आवारा कुत्तों के बढ़ते हमलों से नागरिकों में गहरी नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगरपालिका द्वारा बार-बार शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। नगरवासी कहते हैं कि नगर परिषद और जनप्रतिनिधि कुत्ता पकड़ने की मशीन न होने और व्यवस्था के अभाव का बहाना बनाकर जिम्मेदारी से बचते आ रहे हैं।निवासियों का कहना है कि नसबंदी न होने से कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और हालात दिन-ब-दिन भयावह होते जा रहे हैं। कई वार्डों में बच्चे तक घर से निकलने में डरने लगे हैं। मोहल्लों, गलियों और चौराहों पर आवारा कुत्तों का झुंड खुलेआम घूम रहा है। इस संबंध में जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि एक सप्ताह पूर्व वार्ड क्रमांक 2 महावीर कॉलोनी में कार्रवाई की गई थी और लगभग 10 कुत्तों को पकड़ा गया था, लेकिन उसके बावजूद घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं।

मेट्रो एंकर पौने दो करोड़ से बन रहे नाले के निर्माण कार्य का नपा अध्यक्ष पंकज चौरे ने किया निरीक्षण

जलभराव की समस्या जल्द होगी दूर, कहा-काम में तेजी लाएं

इटारसी। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे इटारसी में जल निकासी की गंभीर समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने रविवार दोपहर को न्यास कॉलोनी के शिक्षक नगर से चिकमंगलूर चौराहे तक लगभग 1 करोड़ 85 लाख रुपये की लागत से बन रहे महत्वपूर्ण नाला निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर निर्माण कार्य के ठेकेदार प्रशांत अग्रवाल भी मौजूद रहे। नपाध्यक्ष चौरे ने मौके पर कार्य की प्रगति का जायजा लिया और ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिया निर्माण का कार्य तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि निर्माण कार्य की गति इतनी होनी चाहिए कि बरसात से पहले अधिकांश कार्य निपटा लिया जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

भारत टॉकीज रोड पर किया मुआयना

न्यायस कॉलोनी क्षेत्र में निरीक्षण के बाद नपाध्यक्ष चौरे भारत टॉकीज रोड पर निरीक्षण करते हुए आगे अग्रवाल स्कूल की ओर बढ़े। उन्होंने भारत टॉकीज से सूर्या होटल तक सड़क और नाले के कार्य का भी बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने ठेकेदार से कहा कि वे काम में और तेजी लाएँ ताकि पूरे नाले का निर्माण शीघ्रता से पूर्ण हो सके। उन्होंने गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न करने की हिदायत भी दी।

पानी की निकासी की समस्या होगी ठीक

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे इस पूरे नाला निर्माण परियोजना को मुख्य रूप से बाजार क्षेत्र में बरसात में होने वाली जलभराव (पानी के जमाव) की समस्या के स्थायी समाधान के रूप में देख रहे हैं। वर्तमान में, थोड़ी सी भी बारिश होने पर बाजार क्षेत्र की सड़कों पर पानी जमा हो जाता है, जिससे दुकानदारों, व्यापारियों और ग्राहकों को भारी असुविधा होती है। चौरे ने कहा कि यह नाला निर्माण शहर की एक पुरानी और बड़ी समस्या को खत्म करेगा और व्यापारियों को हर साल होने वाले नुकसान से बचाएगा। यह प्रोजेक्ट पानी की निकासी को सुव्यवस्थित करेगा, जिससे न केवल मुख्य बाजार, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी जलजमाव की स्थिति से मुक्ति मिलेगी और शहर की मूलभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) में सुधार होगा।

न्यूज विंडो

कलेक्टर के निर्देश के बाद स्कूल प्राचार्यों ने शुरू की स्मार्ट क्लास

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा शैक्षणिक गुणवत्ता को प्राथमिकता देते हुए स्कूलों में स्मार्ट क्लास एवं रेमेडियल क्लास का अधिकाधिक प्रयोग करने के निर्देश संबंधित स्कूल के प्राचार्यों को दिए गए हैं। उन्होंने सहायक आयुक्त जनजातीय विभाग आनन्द राय सिन्हा एवं जिला शिक्षा अधिकारी को नियमित मानीटरिंग के भी निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जिले की समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में शिक्षक विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन करें तथा जिन विषयों में अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हों उनक विषयों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के माध्यम से वीडियो एवं नोट्स तैयार कर संबंधित विद्यालयों को उपलब्ध कराए जाएं। सभी स्कूलों में इनका उपयोग सुनिश्चित किया जाए। आपने कहा कि विद्यालयों का नियमित भ्रमण कर संबंधित अधिकारी शिक्षा की गुणवत्ता को परखें तथा विद्यार्थियों से सुझाव प्राप्त करें। उनके सुझाव के अनुरूप कठिन विषयों गणित अंग्रेजी विज्ञान की विशेष कक्षाएं संचालित करें। समय-समय पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर उनकी ग्राह्यता का भी अध्ययन करें। विद्यार्थियों को नियमित स्कूल आने तथा शिक्षकों द्वारा नियमित रूप से कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं। सीईओ जिला पंचायत द्वारा बोर्ड परीक्षाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए स्कूलों में आधुनिक शिक्षा प्रणाली के तहत स्मार्ट क्लास तथा विषय विशेषज्ञों के माध्यम से विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनन्द राय सिन्हा ने बताया कि स्कूलों में स्मार्ट क्लास के माध्यम से शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयास शुरू किए गए हैं।

सभी 8 विधानसभाओं में शत-प्रतिशत एसआईआर कार्य पूरा

सागर। निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में सागर जिले की सभी आठ विधानसभाओं में शत-प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। जिसके लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी आर ने अधिकारियों और बीएलओ को शुभकामनाएं और बधाई दी। कलेक्टर संदीप जी आर के मार्गदर्शन में जिले के सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सुपरवाइजरों और बूथ लेवल अधिकारियों ने बड़ी कुशलता के साथ यह कार्य समय सीमा में पूरा किया। दूर-दराज के गांवों, बस्तियों में बीएलओ घर-घर पहुँचे। नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृतकों व स्थानांतरित व्यक्तियों के नाम हटाने के साथ-साथ सुधार के सभी कार्य समय सीमा से पहले पूरे कर लिए गए।

79वां होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया

सागर। 79वें होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस का आयोजन होमगार्ड लाइन सागर में धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सीईओ विवेक के.वी. तथा विशिष्ट अतिथि में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा परेड का निरीक्षण करने के उपरांत परेड के मार्च पास्ट का अवलोकन किया गया। परेड में 5 टुकड़ियां सम्मिलित रहीं, जिन्होंने मंच से गुजरते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। इसके बाद आपदा प्रबंधन के अंतर्गत उपलब्ध सामग्रियों का मुख्य अतिथि द्वारा अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ किया गया। रस्साकसी, कुर्सी दौड़ जैसे रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में समस्त अध्यापकों, बच्चों एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों का आभार प्रकट किया गया।

डिंडोरी में पुलिस ने कांग्रेस नेता की कार से पकड़ी 105 लीटर शराब

डिंडोरी। नगर में सिटी कोतवाली पुलिस ने देर रात गश्ती के दौरान एक कार से 105 लीटर अवैध शराब जब्त की है। इस मामले में कांग्रेस के पिछड़ा प्रकोष्ठ महामंत्री अश्वनी मानिकपुरी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई बायपास क्षेत्र में की गई। गिरफ्तार आरोपियों में अश्वनी मानिकपुरी (निवासी बिजोरा, थाना बजाग), राजू लाल यादव और मनीष तिवारी (देवरा तिराहा) शामिल हैं। पुलिस ने अश्वनी मानिकपुरी की गाड़ी से शराब जब्त की है, जिसकी कीमत लगभग 6-7 हजार रुपए बताई जा रही है। तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 32 (2) के तहत कार्रवाई की जा रही है।

टाइगर रिजर्व में 15फीट लंबा मगरमच्छ धूप का आनंद लेते आया नजर

तेन्दूखेड़ा। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में इन दिनों मगरमच्छ सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सैलानियों को तालाबों के किनारे या बीच में बने टापुओं पर धूप सेंकते हुए मगरमच्छ दिखाई दे रहे हैं जिन्हें देख सैलानी रोमांचित हो रहे हैं। सबसे ज्यादा मगरमच्छ बमनेर नदी के चकई घाट में है जिनकी लंबाई पंद्रह फीट से अधिक तक है वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व 2019 के बाद जहां बाघों से आबाद हो रहा है तो यहां पर मगरमच्छों का कुनबा पहले सी बढ़ रह है। ठंड के दिनों में मगरमच्छ किनारों पर तालाब और नदी के बीच टापुओं पर धूप सेंकते दिखाई देते हैं।

जिम्मेदारों की अनदेखी: कई शिकायतों के बाद भी अफसर नहीं दे रहे ध्यान

खकरिया मार्ग पर दुकानदारों का अतिक्रमण, हर दिन लगता है जाम

तेन्दूखेड़ा दोपहर मेट्रो

वाहनों की बढ़ती संख्या, बेतरतीब वाहन पार्किंग एवं मार्गों पर अतिक्रमण की वजह से तेंदूखेड़ा नगर की यातायात व्यवस्था चौपट हो गई है। जिस वजह से मार्गों पर जाम की स्थिति रोजाना देखने मिल रही है। जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बिगड़ी यातायात के कारण सड़कों पर लोगों का चलना मुश्किल हो रहा है। लंबे समय से इस समस्या के निराकरण के लिए स्थानीय नागरिक प्रशासन से गुहार लगाते आ रहे हैं, पर जिम्मेदारों ने इस ओर अब तक कोई प्रयास नहीं किए हैं। नगर के खकरिया रोड, बस स्टैंड से कृषि मंडी रोड तरफ भारी वाहनों के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली, कार, बस और बाइक को लोग मनचाहे तरीके से खड़े कर देते हैं। जिस कारण सड़कों पर जाम लगता है और पैदल चलना भी कई बार मुश्किल हो जाता है।

इस समय नगर का सबसे व्यस्त खकरिया मार्ग पर चलने वाले लोगों को अब हादसे का डर सताने लगा है। इस मार्ग पर लोग पैदल चलने से कतराने लगे हैं। क्योंकि सड़क के दोनों ओर लोगों का कब्जा है तो वहीं यातायात व्यवस्था भी चौपट नजर आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन-प्रशासन बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। क्योंकि इस मार्ग पर सबसे ज्यादा ट्राफिक दबाव है। दरअसल मार्ग पर स्थित कृषि मंडी के कारण मक्का की खरीदी चल रही है साथ ही अब धान की खरीदी भी शुरू हो चुकी है जहां किसान दिन-रात मक्का व धान लेकर आ रहे हैं, जो अपने ट्रैक्टर ट्राली में भरकर मंडी आते हैं। वहीं मक्का और धान खरीदी के बाद स्टाक को गोदामों में पहुंचाने के लिए भी परिवहन भी मंडी से ट्रक से किया जा रहा है। जिसके कारण मार्ग पर जाम जैसे हालात बन रहे हैं। हालात ये है कि यहां हर 10 मिनिट में जाम लग जाता है, जो आधा घंटे तक लगा रहता है। गौर करने वाली बात ये हैं कि उक्त समस्या के संबंध में पुलिस-प्रशासन को भी जानकारी है, पर जिम्मेदार अपने दफ्तरों से बाहर निकलना ही नहीं चाहते हैं। इस खकरिया-जनपद मार्ग नगर का मुख्य मार्ग है। इस मार्ग पर जनपद पंचायत, आजीविका मिशन कार्यालय, बीआरसी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग और दो बालक छात्रावास के अधिकारी-कर्मचारियों, विद्यार्थियों सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का आना-जाना होता है।

व्यापारियों ने सड़क तक फैलाई दुकानें

दूसरी ओर नगर परिषद द्वारा दी गई दुकानों की सीमा से बाहर जाकर अधिकांश व्यापारियों ने अपनी दुकानें बढ़ा ली हैं। वे सड़क तक अस्थाई शो केस और सामान रखकर दुकान का विस्तार कर लेते हैं और जो व्यापारी विस्तार नहीं किए हुए हैं वह अपनी दुकान के सामने हाथठेलों की दुकाने लगवा लेते हैं। ऐसे व्यापारियों से प्रतिदिन 2 सौ 3 सौ रुपए वसूलते हैं। जिससे सड़क पर चलने के लिए जगह नहीं बचती है। इसके अलावा वाहनों की बेतरतीब पार्किंग भी समस्या को बढ़ा रही है। गौर करने वाली बात ये हैं कि पुलिस और नगर परिषद इस अव्यवस्था को सुधारने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है जिससे प्रतीत होता है अधिकारियों द्वारा किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है तब जाकर इस और कोई पहल और प्रयास किए जा सकेंगे

मैन पावर बढ़ाने के बजाए घटाना आश्चर्यजनक: भार्गव

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव वर्ष 2023 में भाजपा ने अपने वचन-पत्र चरण क्रं.-81 में प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारियों को केन्द्र समान सुविधा देने व उन्हें संविदा कर्मी बनाने का वादा किया था पर इस पर अमल के बजाए बिजली कम्पनियों द्वारा जारी नई भर्ती नोटिफिकेशन में आउटसोर्स कर्मियों को संविदा बनाने या नियमित करने हेतु 50 प्रतिशत आरक्षण देने का कोई जिक्र ही नहीं, उल्टे बिजली कम्पनी मुख्यालय द्वारा हर डिवीज़न से हर माह पांच आउटसोर्स कर्मियों को कम करने हेतु गोपनीय रूप से निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिसकी

म.प्र. बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव व महामंत्री दिनेश सिसोदिया ने घोर निंदा की है। ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रान्तीय संयोजक मनोज भार्गव ने कहा कि एक ओर म.प्र. सरकार रोजगार दिवस मनाकर लाखों रोजगार देने के वादे कर रही है, वहीं दूसरी ओर पूर्व क्षेत्र बिजली कम्पनी जबलपुर हैड ऑफिस से सहित अनेक कार्यालयों द्वारा हर डिवीजन से प्रतिमाह पांच आउटसोर्स कर्मियों की संख्या कम करने का फरमान लिखित रूप से जारी किया जा रहा है। यदि इन निर्देशों का पालन कर संभागीय अधिकारी आउटसोर्स कर्मचारियों को नहीं हटाते हैं तो इन अधिकारियों के वेतन से इन पांच कर्मचारियों का वेतन वसूलने कर फरमान सुनाया जा रहा है। कार्यालय अधीक्षण यंत्री सिवनी सर्किल द्वारा 26 नवम्बर 2025 को जारी पत्र इसका जीवन्त उदाहरण है। श्री भार्गव के मुताबिक बिजली कम्पनी में लम्बे समय से भर्ती नहीं होने के कारण मानव संसाधन विशेषकर तकनीकि व गैर-तकनीकि कर्मचारियों की भारी कमी है। पिछले 10 वर्षों में सभी बिजली कम्पनियों में लाईनों की लम्बाई बढ़ी, साथ ही बिजली उपभोक्ताओं की संख्या भी डेढ़ गुना बढ़ी, इससे बिलिंग, वसूली व वितरण सहित सभी काम बढ़े। इसी तरह वितरण एवं पॉवर ट्रांसफार्मर बढ़ने से मेंटेनेंस वर्क का वर्कलोड बढ़ा, पर इस अनुपात में मेन पावर बढ़ाने के बजाए मैन पॉवर आउटसोर्स कर्मियों की तेजी से अकारण छंटनी करना और इसका वर्कलोड दूसरे कर्मचारियों पर डालना श्रमिकों पर कुठाराघात है।

विधायक ने शिक्षा मंत्री से भेंट कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं पर की चर्चा

सागर। दोपहर मेट्रो

गत दिवस भोपाल प्रवास पर आए भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मध्यप्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मंत्री एवं रहली विधानसभा से वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान भार्गव ने प्रधान से समसामयिक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षा मध्यप्रदेश सहित बुन्देलखण्ड में शैक्षणिक व्यवस्थाओं पर बातचीत की।

नम आंखों से बेटियों ने पिता को दी मुखाग्नि

सागर। दोपहर मेट्रो

मुक्तिधाम में मौजूद हर उस व्यक्ति की आंखें नम हो गईं जब लोगों ने बेटियों को अपने पिता के अंतिम संस्कार की रस्में निभाते देखा। पिता का निधन होने पर बेटियों ने मुखाग्नि दी और अंतिम संस्कार की पूरी परम्परा निभाई। बेटियां अंतिमयात्रा में शामिल हुईं और मुक्तिधाम पहुंची। जहां रीति-रिवाज के साथ पिता को अंतिम विदाई दी। यह नजारा देख वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखे नम हो गईं। सागर नगर निगम के सफाईकर्मी डालचंद वाल्मीकि को 30 नवंबर को बुखार आया। परिवार वालों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां आराम नहीं लगने पर उन्हें परिवार के लोग नागपुर लेकर गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रविवार को शव सागर लाया गया। सागर में उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। यात्रा में डालचंद की बेटियां शामिल हुई। उन्होंने पिता की अर्थी को कंधा दिया और श्मशान घाट पहुंचकर चिता को मुखाग्नि दी।

मृतक डालचंद वाल्मीकि की 7 बेटियां हैं। उनका बेटा नहीं है। डालचंद नगर निगम में

अस्थाई सफाईकर्मी के तौर पर काम करते थे। बीमार होने के बाद से उनका इलाज चल रहा था। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटा नहीं होने पर बेटियों ने पिता को अंतिम विदाई देकर अपना फर्ज निभाया। बताया जाता है कि सबसे छोटी बेटी सिर्फ 12 वर्ष की है। जब अंतिम संस्कार के लिए उनकी अर्थी श्मशान घाट पहुंची तो बेटियों ने मजबूती दिखाते हुए पिता को कंधा दिया और मुखाग्नि दी। यह दृश्य न सिर्फ समाज के लिए एक संदेश था, बल्कि पिता-बेटी के रिश्ते की मजबूत डोर का प्रतीक भी बना। परिवार के सदस्यों ने बताया कि डालचंद ही घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। अब उनके जाने के बाद बेटियों और परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और समाज से परिवार की सहायता की मांग की है। पड़ोसियों और कार्यस्थल के साथियों के अनुसार डालचंद सरल स्वभाव के और मेहनती कर्मचारी थे। उनकी अचानक मौत ने पूरे इलाके को शोक में डाल दिया है। दिवंगत डालचंद को लोगों ने नम आंखों से अंतिम विदाई।

मेट्रो एंकर सीएम मोहन यादव ने पन्ना टाइगर रिजर्व में 10 नई कैंटर बसों को दिखाई हरी झंडी

बस में एक साथ 19 पर्यटक ले सकेंगे जंगल सफारी का आनंद

पन्ना। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश पर्यटन की सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना नेशनल पार्क के मड़ला गेट से 10 नई वीविंग कैंटर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब इन बसों के जरिये पर्यटक जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव और अधिक सुविधाजनक ढंग से ले सकेंगे। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों को एक नई सौगात देते हुए प्रदेश के विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम कदम उठाया है। जंगल सफारी के लिए 10 नई आरामदायक वीविंग कैंटर बसें उपलब्ध कराई हैं। इन कैंटर बसों में एक साथ 19 पर्यटकों के बैठने की क्षमता है। ये बसें अन्य सफारी वाहनों की तुलना में अधिक लंबी और ऊंची हैं, जिससे

पर्यटकों को बेहतर दृश्य और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव होगा।

बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए ये बसें अधिक सुरक्षित मानी जा रही हैं। इन बसों की लंबाई और ऊंचाई भी अधिक है, जिससे सफर के दौरान पर्यटकों को ज्यादा जगह और आराम मिलेगा। वहीं बच्चों और सीनियर सिटिज़न्स के लिए ये बसें अधिक सुरक्षा के साथ साथ अनूठा अनुभव प्रदान करेंगी। इन बसों में बैठकर पर्यटक न सिर्फ वन्यजीवों को निहार सकेंगे, बल्कि जंगल सफारी का एक सुखद और यादगार अनुभव भी ले सकेंगे। 10 नई वीविंग कैंटर बसों के संचालन से उन पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी, जो पहले ऑनलाइन बुकिंग न होने की वजह से जंगल सफारी का अनुभव नहीं ले पाते थे। इसके साथ ही, ऑनलाइन स्लॉट जल्दी भर जाने से कई पर्यटक नेशनल पार्क पहुंचकर भी सफारी से वंचित रह जाते थे।

नई कैंटर बसों के संचालन के बाद अब पर्यटकों को नेशनल पार्क के गेट पर ही सफारी बुक करने की सुविधा मिलेगी। ऑनलाइन बुकिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इन वाहनों से जंगल सफारी का आनंद लेने के लिए प्रति व्यक्ति / प्रति राउंड करीब 1150 रूपए से 1450 रुपए तक शुल्क देना होगा। ये 10 नई कैंटर बसें प्रदेश के प्रमुख नेशनल पार्कों और पर्यटन स्थलों जैसे बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, पन्ना, परसिली (सीधी) समेत अन्य नेशनल पार्क्स और अन्य पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुविधा के लिए संचालित की जाएंगी।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने लौटेंगे भारत

वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धमाल मचाकर लंदन लौटे विराट कोहली

मुंबई, एजेंसी

भारतीय वनडे टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को लंदन रवाना हो गए। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का हिस्सा थे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शनिवार को विशाखापत्तनम में तीसरा वनडे मैच खेला गया था जिसमें भारत ने नौ विकेट से जीत दर्ज कर 2-1 से सीरीज अपने नाम की थी। अब कोहली विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए भारत लौटेंगे।

मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए विराट

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद विराट कोहली रविवार को लंदन रवाना हो गए। उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। अब वह विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भारत लौटेंगे। इस टूर्नामेंट के आगामी सत्र की शुरुआत 24 दिसंबर से अहमदाबाद में होगी। इसके बाद वह भारत और न्यूजीलैंड के बीच अगले साल की शुरुआत में खेली जाने वाली वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे।

कुछ मैच खेलेंगे विराट

डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने पीटीआई से कहा, उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए अपनी मौजूदगी कन्फर्म कर दी है। वह कितने मैच में खेलेंगे, यह अभी साफ नहीं है। जाहिर है, उनके होने से दिल्ली ड्रेसिंग रूम को बहुत बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली की टीम आगामी घरेलू वनडे टूर्नामेंट के लीग चरण में अपने पांच मैच अलूर में खेलेगी। बाकी दो मुकाबले बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे, जो विराट कोहली की आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का घरेलू मैदान है। विराट कोहली ने पिछली बार दिल्ली के लिए 50 ओवर का मुकाबला सितंबर 2013 में खेला था। वह एनकेपी साल्वे चैलेंजर ट्रॉफी थी, जिसमें भारत ब्लू और भारत रेड टीमें शामिल थीं। कोहली ने उस टूर्नामेंट के साथ-साथ 2009-10 सीजन में खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी अभियान में भी दिल्ली की कप्तानी की थी।

दक्षिण अफीका के खिलाफ दो शतक और एक अर्धशतक कोहली ने ठोका

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 37 वर्षीय बल्लेबाज ने कुल 302 रन बनाए, जिसमें दो शतकीय और एक अर्धशतकीय पारियां शामिल रहीं। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड के लिए नवाजा गया। विराट कोहली वनडे में 53 और ओवरऑल 84 शतक (एक टी20 अंतरराष्ट्रीय का जोड़कर) लगा चुके हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर से आगे निकल चुके हैं। सचिन के नाम वनडे में 49 शतक दर्ज हैं, जबकि कोहली के नाम 53 शतक दर्ज हो गए।

आखिरकार टूट गई क्रिकेटर स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की चर्चित शादी

छह साल की मोहब्बत शादी तक पहुंची, पर अधूरी रह गई दास्तां, मंबई में हुई थी पहली मुलाकात

मुंबई, एजेंसी

शादी के कार्ड बंट चुके थे...मेहमान आ चुके थे, रस्में जारी थीं..तभी खबर आई कि स्मृति मंधाना के पिता की तबियत अचानक खराब होने के बाद शादी को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया। अटकलों का बाजार गर्म हुआ...सोशल मीडिया पर यूजर्स ने पलाश पर मंधाना को धोखा देने के आरोप लगाए, लेकिन दोनों की तरफ से किसी ने सफाई नहीं दी। इस बीच रविवार को दोनों ने शादी टूटने का एलान कर दिया। हम यहां दोनों की अधूरी दास्तां पर विस्तार से चर्चा करेंगे। आइये जानते हैं...

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्मृति और पलाश की पहली मुलाकात मुंबई के निजी समारोह में हुई थी। पलाश ने उस शाम एक अनरिलीज्ड गाना गुनगुनाया था, जिसे सुनकर स्मृति प्रभावित हो गईं थीं। यहीं से दोनों की दोस्ती और फिर रिश्ता धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया। खबरों के अनुसार, 2019 में पलाश ने अपनी बहन और गायक पलक मुछाल के सामने ही स्मृति को प्रपोज किया था। 2024 में मंधाना ने एक पोस्ट के जरिये अपने रिश्ते पर मुहर लगाई।

पलाश ने भारत की महिला विश्व कप में खिताबी जीत के बाद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की थी। इस तस्वीर में उनके हाथ पर बना एक खास टैटू प्रशंसकों का ध्यान खींच रहा था। उनके हाथ पर स्मृ 8 का टैटू बना हुआ है, जो स्मृति के नाम और उनकी जर्सी नंबर का संकेत है।

शादी से पहले पलाश ने दिया मंधाना को स्पेशल सरप्राइज

शादी से पहले पलाश मुछाल ने मंधाना को खास सरप्राइज दिया था। म्यूजिक कंपोजर ने महिला विश्व कप के फाइनल के वेन्यू डीवाई पाटिल स्टेडियम ले जाकर भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधना को शादी से पहले प्रपोज किया। इसका वीडियो भी पलाश ने सोशल मीडिया पर साझा किया। पलाश ने जो वीडियो शेयर किया, उसमें दिख रहा है कि वह मंधाना की आंख में पट्टी बांधकर डीवाई पाटिल स्टेडियम लाए और उन्होंने पिच पर आकर उनकी आंखों से पट्टी हटाई। पलाश ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, उसने हां कह दिया है। मंधाना की आंख से जब पट्टी हटी तो उन्होंने देखा कि पलाश घुटने पर बैठे हुए हैं और उन्होंने प्रपोज कर रहे हैं। मंधाना के चेहरे पर इस सरप्राइज की खुशी साफ देखने मिली और उन्होंने पलाश का प्रपोजल स्वीकार किया। इसके कुछ देर बाद पलाश और मंधाना के दोस्त भी पिच पर पहुंचे और सबने मिलकर इस पल का आनंद उठाया।

जोरों पर थीं शादी की तैयारियां

मंधाना और पलाश की शादी की तैयारियां जोरों पर थी और इसकी काफी चर्चा हुई थी। दोनों की हल्दी सेरेमनी 21 नवंबर को हुई थी। हल्दी फंक्शन का पूरा माहौल जबरदस्त येलो थीम में ढला हुआ था। स्मृति के साथ शेफाली वर्मा, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, रेणुका सिंह, शिवाली शिंदे, राधा यादव और जेमिमा जैसी साथी खिलाड़ी भी मौजूद थीं। हल्दी सेरेमनी के अगले दिन यानी 22 नवंबर को स्मृति और पलाश की मेहंदी सेरेमनी हुई। सबकुछ सही चल रहा था और 23 नवंबर को सांगली में शादी की पूरी तैयारियां हो चुकी थीं। शादी के लिए भारतीय महिला टीम के सदस्य सहित अन्य वीआईपी लोग पहुंच गए थे। लेकिन 23 नवंबर की शाम अचानक खबर आई कि स्मृति के पिता बीमार हो गए हैं जिस कारण शादी अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है।

पूरी टाइमलाइन

जुलाई 2024: दोनों ने इंस्टाग्राम पर साथ में एक पोस्ट डालकर अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। पांच साल पूरे होने की खुशी में उन्होंने 5 अंक वाला केक भी दिखाया।

अक्टूबर 2025: एक प्रेस इवेंट में पलाश ने मजाक-मजाक में कहा था कि वह जल्द ही इंदौर के दामाद बन जाएंगे। जिसके बाद फैंस को लगा कि शादी बस होने ही वाली है।

नवंबर 2025: मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में पलाश ने फिल्मी अंदाज़ में स्मृति को प्रपोज किया। स्मृति की आंखों पर पट्टी बांधकर उन्हें मैदान पर लाया गया, जहां पलाश ने घुटने पर बैठकर शादी का प्रस्ताव रखा। यह वीडियो खूब वायरल हुआ।

मध्य नवंबर 2025: शादी से पहले की रस्में शुरू हो गईं। 21 नवंबर को हल्दी और 22 नवंबर को मेहंदी की रस्में हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी भी इसमें शामिल हुईं और तस्वीरें खूब वायरल रहीं।

23 नवंबर 2025: ठीक शादी वाले दिन सांगली में सारी तैयारियां पूरी थीं, लेकिन तभी खबर आई कि स्मृति के पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसी वजह से शादी अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई।

7 दिसंबर 2025: काफी चुप्पी के बाद स्मृति मंधाना ने अपना आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने शादी रद्द करने की पुष्टि करते हुए सभी से निजता बनाए रखने की अपील की।

मुलर पर भारी पड़े अर्जेंटीनियाई खिलाड़ी

मेसी के दम पर इंटर मियामी ने जीता एमएलएस कप का खिताब

फोर्ट लॉडरडेल। अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप से पहले लियोनल मेसी ने एक बार फिर अपना दम दिखाया और इंटर मियामी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। फाइनल मुकाहला सिर्फ इंटर मियामी और वैंकूवर व्हाइटकैप्स के बीच ही नहीं था, बल्कि जर्मनी के स्टार फुटबॉलर थॉमस मुलर और अर्जेंटीना के मेसी के बीच भी एक जंग थी। मेसी और मुलर के बीच प्रतिद्वंद्विता में आमतौर पर मुलर ने ही बाजी मारी है, लेकिन इस बार अर्जेंटीनियाई खिलाड़ी आगे निकल गए।

मेसी ने करियर की 47वीं ट्रॉफी जीती

मुलर और मेसी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेसी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन एमएलएस के फाइनल में अर्जेंटीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेसी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया। मेसी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रेंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई।

मनु भाकर पदक जीतने से चूकीं

निशानेबाज सुरुचि सिंह ने देश के लिए जीता स्वर्ण, संयम को मिला रजत

दोहा। प्रतिभाशाली निशानेबाज सुरुचि सिंह ने एक और शानदार प्रदर्शन हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी साथी संयम ने रजत पदक हासिल किया जिससे भारत ने सत्र के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत की। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने निराश किया और वह पदक हासिल करने से चूक गईं।

10 मीटर राइफल निशानेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुरुचि ने फाइनल में 245.1 का शानदार स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दिन चमका दिया। वहीं पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ देश के लिए रजत पदक पक्का किया। मनु भाकर फाइनल में पहुंची लेकिन 179.2 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। इस साल की शुरुआत में लगातार चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुरुचि सितंबर-अक्तूबर में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर थीं। वह शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने 586 के कुल स्कोर के साथ 12 निशानेबाजों के एलीट ग्रुप में क्वालिफिकेशन दौर में दूसरा स्थान हासिल किया। भाकर (578) छठे स्थान पर रहीं, जबकि 2023 की

इलावेनिल, रुद्रांक्ष और बबूता ने किया निराश

भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और पेरिस ओलंपिक फाइनल तक पहुंचे अर्जुन बबूता पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में क्रमशः चौथे और छठे स्थान पर रहे। इलावेनिल वलारिवन भी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पिछड़ गईं। वह क्वालिफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाईं।

जूनियर विश्व चैंपियन संयम (573) क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद मुश्किल से फाइनल में पहुंच पाईं। हालांकि फाइनल में 21 साल की संयम बिल्कुल अलग रंग में दिखीं। वह फाइनल के बड़े हिस्से में सबसे आगे रहीं लेकिन एलिमिनेशन दौर में चार बार 9.5 का स्कोर से शीर्ष स्थान सुरुचि को

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

शबाना आजमी ने भेंट की दीया मिर्जा को साड़ी,

एक्ट्रेस बोलीं- जिंदगी भर सहेज कर रखूंगी

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह पोज देती नजर आईं। उन्होंने बताया कि यह साड़ी उनके लिए बेहद खास है, जो उन्हें अभिनेत्री शबाना आजमी ने भेंट की है। दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस साड़ी की तस्वीरें पोस्ट करते हुए भावुक मैसेज भी लिखा। उन्होंने कैफी आजमी की मशहूर कविता औरत की पंक्ति से शुरुआत की - उठ मेरी जान मेरे साथ ही चलना है तुझे।

एक्ट्रेस ने लिखा, यह साड़ी पहनते वक्त मैंने शौकत आजमी जी की सारी यादें और उनकी ताकत अपने साथ महसूस की। कैफी साहब ने अपनी पत्नी के लिए जो प्यारी कविता लिखी थी, वह भी मेरे दिल में गूंज रही थी। अपने कैप्शन में दीया ने शबाना आजमी को दिल से धन्यवाद कहते हुए आगे लिखा, शबाना जी, इस अनमोल तोहफे के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। आपने हमेशा मेरी जिंदगी को ऐसे तरीकों से समृद्ध किया है जो सिर्फ आप ही कर सकती हैं। मैं इस साड़ी को जिंदगी भर सहेज कर रखूंगी और इसे बार-बार पहनूंगी। शबाना आजमी और दीया मिर्जा के बीच काफी मजबूत बॉन्ड है। दोनों ही अभिनेत्रियां न सिर्फ एक्टिंग की दुनिया में एक्टिव हैं, बल्कि पर्यावरण, महिला अधिकार और सामाजिक मुद्दों पर भी खुलकर बोलती हैं। अभिनेत्री शबाना आजमी की बात करें, तो उनके पिता कैफी आजमी मशहूर शायर और गीतकार थे और मां शौकत आजमी थिएटर की जानी-मानी कलाकार थीं। कॉलेज के दिनों में उन्होंने अपने सीनियर फारुख शेख के साथ एक हिंदी थिएटर ग्रुप बनाया और कई प्रतियोगिताएं जीतीं।

बिग बॉस 19: गौरव खन्ना से हारने पर बोलीं फरहाना भट्ट

ट्रॉफी नहीं, लेकिन दिल जीत लिया

सलमान खान का सबसे कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 19 15 हफ्तों बाद फाइनली खत्म हो चुका है। इस शो को टीवी के सुपरस्टार गौरव खन्ना ने जीत लिया। शो में उनका सफर भले ही जैसा था, मगर जनता के वोट्स ने उन्हें जीत हासिल कराई। हालांकि कई लोगों को फरहाना भट्ट के लिए भी बुरा लगा। वो ट्रॉफी के इतने करीब आकर भी उसे जीत नहीं पाईं। फिनाले के बाद फरहाना ने मीडिया से बातचीत के दौरान बिग बॉस 19 में अपनी जर्नी पर खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने गौरव खन्ना से फिनाले हार जाने पर भी रिएक्ट किया। कश्मीरी एक्ट्रेस ने कहा, ट्रॉफी पर मेरी नजर कभी थी ही नहीं। मेरा मकसद सिर्फ यही था कि मैं लोगों

का दिल जीतूं और उनके दिलों में अपना घर करूं।

तो वो मकसद मेरा पूरा हो चुका है, ट्रॉफी मिले ना मिले। ट्रॉफी गौरव खन्ना को मिली, मैंने दिल जीते। जब आप घर में होते हो, तो आपको चीजें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। लेकिन मैं जिस तरह शो में आगे जा रही थी, मुझे यकीन था कि हां मैं टॉप 2 में तो रहूंगी। फरहाना ने आगे टीवी पर भी काम करने पर बात की। मालूम हो कि एक्ट्रेस ने शो के दौरान टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर कई विवादित बातें कही थीं। अब फिनाले खत्म होने के बाद, फरहाना ने कहा, टीवी पर अगर मुझे मौका मिलेगा, तो मैं जरूर काम करना चाहूंगी। ऐसा नहीं है कि मैं मना कर दूंगी। वो उस वक्त हालात वैसे थे, जिसमें मैंने गौरव को जो कुछ भी कहा। अंत में फरहाना ने अपनी विलेन वाली इमेज पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भले ही शो में उन्हें विलेन की तरह दिखाया गया हो, लेकिन उनकी जर्नी का अंत एक सुपरहीरो नोट पर हुआ है। बता दें कि बिग बॉस 19 के फिनाले में अमाल मलिक, प्रणित मोरे और तान्या मित्तल भी टॉप 5 में शामिल थे।

मेट्रो बाजार

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट, सोने के स्टॉक में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते एक हफ्ते में गिरावट आई है। देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक 28 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.88 अरब डॉलर की गिरावट आई है और अब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 686 अरब डॉलर रह गया है। 21 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी और यह 4.4 अरब डॉलर घटकर 688 अरब डॉलर रह गया था। अब लगातार दूसरे सप्ताह भी इसमें कमी दर्ज की गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) का है, जो 557 अरब डॉलर है। इसमें 3.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। हालांकि सोने के भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें 1.6 अरब डॉलर की तेजी आई है और यह 105 अरब डॉलर पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 billion के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बीते सप्ताह के दौरान एसडीआर में 6.3 करोड़ डॉलर की मामूली बढ़ोतरी हुई है।

राहतः दूध-तेल चीनी सस्ते, लगातार तीसरे माह कीमतों में गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली। वैश्विक महंगाई के दबाव के बीच नवंबर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा महीना साबित हुआ। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुताबिक लगातार तीसरे महीने विश्व स्तर पर खाद्य कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दूध, तेल, चीनी और मीट जैसी प्रमुख वस्तुएं सस्ती हुईं, जबकि अनाज समूह में बढ़ोतरी देखी गई। एफएओ का वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक नवंबर में 125.1 पॉइंट रहा, जो अक्तूबर 2025 की तुलना में 1.2 फीसदी कम है और मार्च 2022 के रिकॉर्ड स्तर से करीब 22 फीसदी नीचे आ चुका है। एफएओ की सितंबर 2025 की ताजा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में बढ़ती महंगाई के बीच खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नवंबर में बड़ी नरमी दर्ज हुई। सूचकांक अक्टूबर के मुकाबले गिरा और वर्ष दर वर्ष आधार पर भी यह नवंबर 2024 की तुलना में 2.1 फीसदी नीचे रहा। अनाज को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख श्रेणियों दूध, तेल, चीनी और मीट में

कीमतें घटीं, जिसने उपभोक्ताओं को काफी राहत प्रदान की।

गेहूं और मक्के में उछाल-दूसरी ओर अनाज मूल्य सूचकांक नवंबर में 105.5 अंक रहा जो अक्टूबर की तुलना में 1.8 और कुल मिलाकर 1.3 फीसदी ऊपर है। हालांकि यह अभी भी पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 फीसदी नीचे बना हुआ है। गेहूं के दाम वैश्विक स्तर पर 2.5 फीसदी बढ़े। इसकी वजह चीन द्वारा अमेरिका से बड़े आयात, ब्लैक सी क्षेत्र में तनाव और रूस में अगले वर्ष की फसल के लिए कम बुवाई का अनुमान रहा।

न्यूज विंडो

मध्यप्रदेश में शीतलहर का अलर्ट श्रीनगर में पारा शून्य से नीचे

नई दिल्ली। उत्तर भारत में शीतलहर का असर जारी है। पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में रविवार को न्यूनतम तापमान तीन से सात डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। भोपाल में पिछले 3 दिनों से शीतलहर चल रही है। 17 शहरों में तापमान 10 डिग्री से कम दर्ज हुआ। वहीं श्रीनगर में पारा शून्य के नीचे चला गया है।

विवाद: ट्रंप के नाम पर सड़क का नाम रखने का किया ऐलान

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद की एक सड़क का नाम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। तेलंगाना के सीएम का यह फैसला तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां पाने की कोशिश लग रहा है। हालांकि इसे लेकर सीएम रेवंत रेड्डी विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं। तेलंगाना भाजपा ने सीएम के इस प्रस्ताव पर तंज कसा है और उनकी आलोचना की है।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रस्ताव दिया है कि हैदराबाद में अमेरिका महावाणिज्य दूतावास जाने वाली सड़क का नाम 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' रखा जाए। अगर ऐसा होता है तो ये दुनिया में पहली बार होगा, जब किसी देश में इस तरह से अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति का सम्मान हुआ हो। गौरतलब है कि हैदराबाद में ये परंपरा रही है कि शहर के विकास में योगदान देने वाले राजनेताओं और वैश्विक कंपनियों के नाम पर भी सड़कों के नाम रखे गए हैं, जैसे गूगल स्ट्रीट, जो हैदराबाद में गूगल की मजबूत मौजूदगी को दर्शाती है।

भारी बारिश के चलते चिनाब ने दिखाया रौद्र रूप

डैम के गेट खुलने से टापू बने इलाके,लोग फंसे, रेसक्यू जारी

जम्मू, एजेंसी

जम्मू जिले के सीमावर्ती इलाके परगवाल में कुदरत और मानवीय लापरवाही का एक खतरनाक मंजर देखने को मिला। चिनाब नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने से कई लोग नदी के बीचों-बीच और दूसरे किनारों पर फंस गए हैं। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल हेलिकॉप्टर या मोटर बोट के जरिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने की गुहार लगाई है। यह स्थिति तब पैदा हुई जब ऊपरी इलाकों में भारी बारिश और डैम के गेट खोले जाने के बाद नदी में पानी का बहाव बेहद तेज हो गया।स्थानीय लोगों के मुताबिक, सुबह तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन जैसे ही डैम के गेट खोले गए, चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। देखते ही देखते नदी के आसपास के निचले इलाके जलमग्न हो गए। नदी के उस पार खेती-बाड़ी या मवेशियों को चराने गए कई ग्रामीण वहीं फंस गए हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे फंसे हुए लोगों की जान पर खतरा मंडरा रहा है।

लोगों को ऊंचे स्थानों पर भेजा जा रहा

सूचना मिलते ही जम्मू पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, वे ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमारी प्राथमिकता फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना है। किनारों पर रहने वाले लोगों को गांव से बाहर ऊंचे स्थानों पर भेजा जा रहा है। हालात पर हमारी नजर बनी हुई है। फिलहाल, नदी के उफान को देखते हुए एसडीआरएफ और अन्य बचाव दलों को भी अलर्ट पर रखा गया है। परगवाल के लोगों में दहशत का माहौल है और वे जल्द से जल्द अपने परिजनों की सुरक्षित वापसी की दुआ कर रहे हैं।

पाकिस्तान की जेल में मिली 'प्रेमिका' से मिलने जा रहा था इंजीनियर, राजस्थान की सीमा पर सुरक्षा बल ने दबोचा

बीकानेर, एजेंसी

बीकानेर जिले के खाजूवाला सेक्टर में सिक्योरिटी एजेंसियों ने एक हैरान कर देने वाले मामले में 27 वर्षीय इंजीनियरिंग ग्रेजुएट युवक को अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने की कोशिश करते हुए हिरासत में लिया। युवक की पहचान विशाखापत्तनम निवासी प्रशांत वेदम के रूप में हुई है। सुरक्षा एजेंसियों ने वेदम को सीमा से कुछ किलोमीटर पहले उस समय पकड़ा, जब वह स्थानीय लोगों से पाकिस्तान जाने का सुरक्षित रास्ता पूछ रहा था।

महिला से मिलने की जिद

पुलिस पूछताछ में प्रशांत वेदम ने जो कहानी बताई, वह और भी चौंकाने वाली है। सब-इंस्पेक्टर हरपाल सिंह ने बताया कि वेदम ने दावा किया कि वह रावलपिंडी में एक महिला से मिलने जा रहा था, जिससे वह 2017 में अपने पिछले अवैध सीमा क्रॉसओवर के दौरान मिला था। वेदम के अनुसार, पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा पकड़े जाने पर दोनों को पास की कोठरियों में रखा गया था। 2021 में रिहा होने के बाद से ही वह उससे दोबारा मिलने के लिए पक्का इरादा कर चुका था।

जासूसी का शक

सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि वेदम की बातों से संकेत मिलता है कि उसे कुछ मनोवैज्ञानिक दिक्कतें हो सकती हैं, हालांकि इसकी मेडिकल पुष्टि होनी बाकी है। पुलिस ने उसके भाई से संपर्क किया, जिसने वेदम के गायब होने के बाद गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने की पुष्टि की। वर्तमान में वेदम को गिरफ्तार नहीं किया गया है। श्रीगंगानगर-बीकानेर बेल्ट में जासूसी के पिछले मामलों को देखते हुए, जॉइंट इंटेरोगेशन कमेटी इ उससे गहन पूछताछ कर रही है। एजेंसियां यह पता लगाना चाहती हैं कि उसने पिछली बार सीमा कैसे पार की थी और क्या वह दूसरी तरफ किसी के संपर्क में है।

पकड़े गए 6 हजार से बांग्लादेशी और रोहिंग्या, बनेगा डिटेंशन सेंटर

मेरठ। अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बाहर करने के लिए गाजियाबाद के नंदग्राम की तर्ज पर डिटेंशन सेंटर (अवैध विदेशी नागरिकों को रखने के लिए) मेरठ में स्थापित होगा। कम से कम 500 विदेशी नागरिक इस सेंटर में रखे जा सकेंगे। डीएम ने नगर आयुक्त को इस सेंटर की स्थापना के लिए तत्काल स्थान चिह्नित करने के आदेश दिए हैं।

दूसरी ओर पुलिस द्वारा 52 झोपड़पट्टी व मलिन बस्तियों में रहने वाले प्रवासियों का सर्वे कराया, जिसमें 1600 परिवारों में 6500 लोग

चिह्नित हुए हैं, इनमें से 3200 लोगों के नाम पंजिका में दर्ज करने के बाद आईडी सत्यापन के लिए विभिन्न राज्यों के पुलिस विभाग को भेजी गई है। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि चार महीने पहले झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ गठित कर जिले में 52 ऐसे स्थानों को चिह्नित किया गया, जहां प्रवासी झोपड़पट्टी व मलिन बस्तियों में रहते हैं। इन 52 स्थानों पर 1600 परिवार रहते हैं, जिसमें 6500 लोगों में से 3200 की आईडी लेने के बाद विभिन्न राज्यों को भेजी गई।सर्वाधिक 50 प्रतिशत प्रवासी आसाम के हैं, जबकि बंगाल, राजस्थान व मध्य प्रदेश के हैं। उन्होंने बताया कि आईडी सत्यापन से ही स्पष्ट होगा कि यह प्रवासी है या विदेशी नागरिक।

मथुरा- बरेली-जयपुर हाईवे पर हादसा

शाहजहांपुर के तीन दोस्तों की मौत, ट्रैक्टर ट्रॉली में घुसी कार

मथुरा। बरेली-जयवपुर हाईवे पर बरेली की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ब्रिजा कार आगे चल रहे मिट्टी लदे ट्रैक्टर में घुस गई। कार में सवार शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद के तीन दोस्तों की मृत्यु हो गई, जबकि एक की हालत चिंताजनक बनी है। यह सभी वृंदावन में दर्शन के लिए आ रहे थे।शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद क्षेत्र के कटरा रोड निवासी राजन गुप्ता

अपने साथी नोसारा निवासी निकुंज गुप्ता, सौरभ वर्मा, राजा भारद्वाज के साथ रात करीब नौ बजे ब्रिजा कार से वृंदावन में दर्शन के लिए रवाना हुए थे। रात करीब दो बजे बरेली-जयपुर हाईवे पर स्थित केशवपुर गांव के सामने कार आगे चल रही मिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564